हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 23 सितंबर 2025 | अंक 339/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

वैशाली
लाछा अँन्ड सारिज़
FANCY SHALU LACHA LEHENGA
YEOLA PAITHANI PESHWAI
POSITION PRINT RANG KAT
FANCY WORK ORGANZA WORK
H.O. SILK SOUTH SILK
SILK SAREE DHARMAVARAM
WEDDING ONE PIECE / GOWN
लहंगा और साडीयों की महारानी
Sarafa Bazar, Itwari Nagpur Time:10.00-7.30
9529081789, 9325112561 SUNDAY CLOSED

पीएम ने अरुणाचल को दी 5100 करोड़ की सौगात

'हमने बार-बार अपने मंत्रियों को नॉर्थईस्ट भेजा'

ईटानगर के इंदिरा गांधी पार्क में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण करने के बाद एक रैली को संबोधित किया. उन्होंने जीएसटी सुधारों की सराहना की और कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से कम दरें लागू होने से लोगों को इस त्योहारी सीजन में दोहरी सौगात मिलेगी. प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते थे कि पूर्वोत्तर का विकास दिल्ली से नहीं किया जा सकता इसलिए उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों को इस क्षेत्र में अधिक बार भेजा और वह स्वयं यहां 70 से अधिक बार आए.

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर के राज्य अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर हैं. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की आलोचना की है. अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "आज से, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं और जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो गया है. त्योहारों के इस अवसर पर लोगों को दोहरा लाभ मिला है.

"उन्होंने कहा, "आम तौर पर सूर्य की पहली किरणें अरुणाचल प्रदेश पर पड़ती हैं, लेकिन विकास की किरणें यहां तक पहुंचने में सालों लग गए. मैं 2014 से पहले भी यहां आ चुका हूँ, आपके साथ रह चुका हूं. प्रकृति ने अरुणाचल को बहुत कुछ दिया है- भूमि, लोग, क्षमता – बहुत कुछ है. लेकिन दिल्ली से देश चलाने वालों ने अरुणाचल को नज़रअंदाज़ किया. कांग्रेस को लगता था कि अरुणाचल में लोग कम हैं, सिर्फ दो लोकसभा सीटें हैं, तो इसे क्या महत्व देंगे?" प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां कांग्रेस के मंत्रियों के दौरे बहुत कम होते थे, वहीं अब मौजूदा सरकार के मंत्री 800 से ज़्यादा बार इस क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं. अरुणाचल प्रदेश में पीएम मोदी ने 5,100 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया.

पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश को नज़रअंदाज़ किया'

'सेला सुरंग अरुणाचल की पहचान बनी', पीएम मोदी ने कहा कि जिन क्षेत्रों को कभी सड़क निर्माण के लिए असंभव माना जाता था, वहां अब आधुनिक हाइवे हैं. उन्होंने कहा, "सेला सुरंग जो कभी अकल्पनीय थी अब अरुणाचल की गौरवशाली पहचान बन गई है. होलोंगी हवाई अड्डे पर एक नया टर्मिनल है और दिल्ली के लिए सीधी उड़ानें हैं. इससे छात्रों और पर्यटकों के लिए यात्रा आसान हुई है और किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक भेजने में भी मदद मिली है." उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश की इसलिए भी उपेक्षा की क्योंकि केवल दो लोकसभा सीटें हैं. उन्होंने कहा, "जब मुझे 2014 में देश की सेवा करने का अवसर मिला तो मैंने देश को कांग्रेस की मानसिकता से मुक्त करने का संकल्प लिया था.

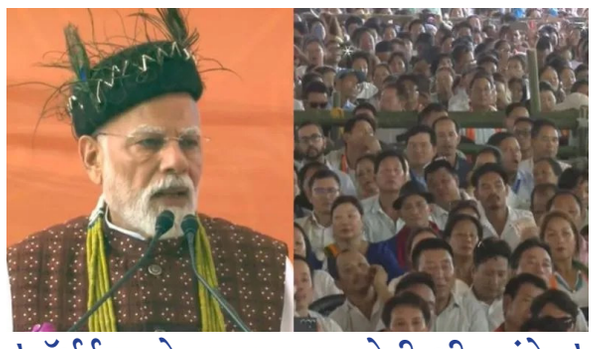

'नॉर्थईस्ट से पल्ला झाड़ लेती थी कांग्रेस'

पीएम मोदी ने कहा, "कांग्रेस की एक पुरानी आदत है कि विकास का जो भी काम मुश्किल होता है, उस काम को वह कभी हाथ ही नहीं लगाती. कांग्रेस की इस आदत से पूर्वोत्तर को बहुत नुकसान हुआ." उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व सरकारें जो सीमा से सटे गांव थे, उन्हें 'लास्ट विलेज' कहकर पल्ला झाड़ लेती थीं और यही कारण है कि सीमावर्ती क्षेत्रों से लोगों का पलायन होता गया.

हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत किसी राज्य में वोटों या सीटों की संख्या नहीं, बल्कि नेशन फर्स्ट है. हमारा एकमात्र मंत्र है 'नागरिक देवो भव'." तवांग में जिस कन्वेंशन सेंटर की उन्होंने आधारशिला रखी, उसका निर्माण पीएम-देवाइन योजना के तहत 145.37 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा. इसकी क्षमता 1,500 से ज्यादा के बैठने की होगी. पीएम मोदी ने कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा और अग्नि सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए 1,290 करोड़ रुपये से ज्यादा की कई अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी शुरुआत की. उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर अब दिल्ली सरकार के लिए दूर नहीं है और पिछले दशक में केंद्रीय मंत्रियों ने इस क्षेत्र का 800 से अधिक बार दौरा किया है और अक्सर दूरदराज के इलाकों में रातें भी बिताई हैं.

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री के तौर पर मैं 70 से अधिक बार पूर्वोत्तर आ चुका हूं. पिछले सप्ताह ही मैं मिजोरम, मणिपुर और असम गया था. पूर्वोत्तर अब दूर नहीं है, न सड़क मार्ग से और न ही दिल से. दिल्ली अब आपसे दूर नहीं है. हम दिल्ली को आपके दरवाजे तक ले आए हैं."

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का पहला सूर्योदय देखने वाले इस राज्य को अब दशकों की उपेक्षा के बाद विकास की पहली किरण भी मिल रही है. राज्य के हर व्यक्ति को वीरता और एकता का प्रतीक बताते हुए पीएम मोदी ने कहा, "अरुणाचल की यह भूमि उगते सूर्य की धरती के साथ देशभक्ति के उफान की भी धरती है. जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का पहला रंग भी केसरिया है. यहां का हर व्यक्ति शौर्य और शांति का प्रतीक है."

आगे बढ़ रहा अरुणाचल: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उन्होंने अनावरण किया, वे डबल इंजन सरकार के दोहरे लाभ का उदाहरण हैं. उन्होंने कहा, "अरुणाचल आगे बढ़ रहा है. आज घोषित नई बिजली परियोजनाएं राज्य को एक प्रमुख बिजली उत्पादक राज्य बनाएंगी, हजारों रोजगार पैदा करेंगी और सस्ती बिजली उपलब्ध कराएंगी. चाहे शिक्षा में सुगमता हो, व्यापार में सुगमता हो, यात्रा में सुगमता हो या इलाज में सुगमता हो, हमारी डबल इंजन सरकार हर नागरिक के जीवन को आसान बनाने के लिए काम कर रही है." प्रधानमंत्री ने शि योमी जिले में यारजेप नदी पर दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं और तवांग में एक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी. कुल 186 मेगावाट क्षमता वाली तातो-I परियोजना का विकास अरुणाचल प्रदेश सरकार और नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको) की ओर से संयुक्त रूप से 1,750 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा. इससे सालाना लगभग 802 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होने की उम्मीद है. कुल 240 मेगावाट की हेओ परियोजना भी राज्य सरकार और नीपको की ओर से 1,939 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी. इससे हर साल 100 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन की उम्मीद है. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है.

'कांग्रेस ने सीमावर्ती गांवों की उपेक्षा की'

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की सभी सरकारों ने सीमावर्ती गांवों की उपेक्षा की, जिसके कारण इन क्षेत्रों से लोगों का पलायन हुआ. उन्होंने कहा कि 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के जरिए अरुणाचल के 450 से ज्यादा सीमावर्ती गांवों में अब सड़कें, बिजली, इंटरनेट और पर्यटन सुविधाए उपलब्ध हैं और ये गांव पर्यटन के नए केंद्र बन रहे हैं. प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि उड़ान योजना के तहत राज्य के दूरदराज के इलाकों में हेलीपोर्ट विकसित किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि नवरात्र के पहले दिन जीएसटी सुधारों की शुरुआत के साथ, इस त्योहारी सीज़न में लोगों को दोहरी सौगात मिलेगी. उन्होंने कहा, "आज देश भर में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं और जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो गया है. त्योहारों के मौसम में लोगों को दोहरा लाभ मिला है." उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से रसोई का बजट कम होगा और महिलाओं को मदद मिलेगी. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार हर चीज महंगी होने के बावजूद कर बढ़ाती रही. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोगों पर भारी करों का बोझ डाला लेकिन हमारी सरकार ने धीरे-धीरे करों को कम करके उन्हें राहत दी है.

'मुझे बिफोर और आफ्टर का बोर्ड देखकर अच्छा लगा'

नई दिल्ली. केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में किया गया व्यापक बदलाव, जिसे 'जीएसटी 2.0' कहा जा रहा है, सोमवार को नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही लागू हो गया. जीएसटी की नई व्यवस्था में एक आसान टैक्स स्ट्रक्चर लागू किया गया है, जिसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को 5%, लग्जरी (विलासिता की वस्तुएं) और सिन गुड्स (स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालने वाली वस्तुएं) को क्रमश: 18% और 40% के टैक्स स्लैब में रखा गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए एक संदेश में इस रोलआउट को 'जीएसटी बचत महोत्सव' की शुरुआत बताया और इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया. पीएम मोदी ने कहा, 'यह नवरात्रि विशेष है. जीएसटी बचत महोत्सव के साथ, स्वदेशी (मेड इन इंडिया) के मंत्र को और भी बल मिलेगा. आइए, हम सब मिलकर एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रयास करें. उन्होंने लिखा, 'मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार. आपको और आपके परिवार को शक्ति की उपासना के पर्व नवरात्रि की बहुत-बहुत शुभकामनाएं. मेरी प्रार्थना है, ये त्योहार आप सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए.

सामने आ ही गया राजा मर्डर केस का काला सच

पुलिस की चार्जशीट में मौजूद है सोनम रघुवंशी की हर करतूत

इंदौर. कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का राज खुलकर जब सबके सामने आया तो हर कोई हैरान था. मेघालय पुलिस की चार्जशीट इस पूरे मामले की कहानी को बयां करती है. साथ एक ऐसी साजिश की परतें खोलकर रख देती है, जिसमें एक बीवी अपने शौहर की मौत का फसाना खुद अपने हाथों से लिखती नजर आती है. पुलिस की जार्जशीट में भी सामने आया कि राजा रघुवंशी की मौत उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी की सुनियोजित साजिश थी. हनीमून पर जो खेला गया ये खूनी खेल किसी थ्रिलर फिल्म की कहानी से भी ज्यादा डरावना और सस्पेंस से भरा साबित हुआ.

चार्जशीट के मुताबिक, सोनम इस पूरी साजिश की मास्टरमाइंड थी. उसने अपने प्रेमी राज सिंह कुशवाहा और तीन सुपारी किलर्स- आकाश सिंह राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी- के साथ मिलकर पति की हत्या का प्लान बनाया. पांच लोगों की इस खतरनाक गैंग ने कई दिनों तक राजा को मौत के जाल में फंसाने की कोशिश की. पुलिस ने खुलासा किया कि सोनम ने हनीमून के दौरान पति को मारने की पहले तीन कोशिशें कीं, लेकिन हर बार नाकाम रही. गुवाहाटी और शिलांग में राजा को खाई में धक्का देने या सुनसान जगह पर वार करने का प्लान बनाया गया. लेकिन बारिश, भीड़भाड़ और डर की वजह से ये सभी कोशिशें नाकाम हो गईं.

आखिरकार 23 मई को सोनम ने अपना आखिरी प्लान अंजाम दिया. चार्जशीट बताती है कि शिलांग के पास सोहरा में सेल्फी लेने के बहाने सोनम राजा को खाई की ओर ले गई. उसके इशारे पर ही विशाल सिंह ने धारदार दाव से राजा पर हमला कर दिया. पहला वार ही इतना खतरनाक था कि राजा खून से लथपथ होकर चीखने लगाराजा दर्द से तड़प रहा था, लेकिन सोनम ने उसे बचाने की बजाय मुंह फेर लिया. वह पीछे हट गई और कातिलों को खुला मौका मिल गया. विशाल ने दोबारा वार किया और बाकी दो कातिल भी पास ही मौजूद थे. कुछ देर बाद जब राजा की सांसें थम गईं तो सोनम लौटकर आई और पूछा कि क्या वह मर चुका है.राजा की मौत की पुष्टि होते ही सोनम ने तीनों कातिलों के साथ मिलकर लाश उठाई और खाई में फेंक दी. इतना ही नहीं, उसने खुद पैदल चलकर कातिलों को सुरक्षित जगह तक पहुंचाया और फिर अकेले वहां से निकल गई. यह सबूत साफ दिखाता है कि हत्या में उसकी सक्रिय भूमिका थी. पुलिस चार्जशीट में दर्ज है कि यह हत्या अचानक की गई योजना नहीं थी.

जेपी नड्डा ने 'जीएसटी बचत उत्सव' अभियान के तहत दुकानदारों से की बातचीत

नई दिल्ली.

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 'जीएसटी बचत उत्सव' अभियान के तहत दिल्ली में दुकानदारों के साथ एक खास बातचीत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों और आम जनता को वस्तु एवं सेवा कर के फायदों के बारे में जागरूक करना है।

नड्डा ने दुकानदारों को समझाया कि कैसे जीएसटी में हुए हालिया सुधारों से न सिर्फ उन्हें टैक्स की बचत हो रही है, बल्कि इससे व्यापार करना भी पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। जेपी नड्डा ने अपनी बातचीत में जोर देकर कहा कि जीएसटी सिर्फ एक टैक्स नहीं है, बल्कि यह व्यापार को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने का एक 'महा-साधन' है। उन्होंने बताया कि पहले विभिन्न तरह के टैक्स होते थे, जिससे व्यापारियों को काफी दिक्कतें आती थीं। जीएसटी ने इस पूरी प्रक्रिया को सरल बना दिया है, जिससे न केवल कागजी कार्रवाई कम हुई है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। इस अभियान के तहत, भाजपा नेता व्यापारियों को जीएसटी के हालिया सुधारों के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिसमें टैक्स स्लैब का सरलीकरण और कुछ जरूरी वस्तुओं पर टैक्स दरों में कमी शामिल है। नड्डा ने दुकानदारों को समझाया कि इन बदलावों से उन्हें सीधे तौर पर कितना फायदा हो रहा है और यह कैसे उनके मुनाफे को बढ़ा सकता है।

'जीएसटी बचत उत्सव' अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी में हुए बदलावों का फायदा सिर्फ व्यापारियों तक ही सीमित न रहे, बल्कि यह आम जनता तक भी पहुँचे। नड्डा ने दुकानदारों से अपील की कि वे जीएसटी में हुई बचत का लाभ अपने ग्राहकों को भी दें, जिससे बाजार में उपभोग बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

दिल्ली-कानपुर इंडिगो उड़ान में यात्री ने देखा चूहा

नई दिल्ली. कानपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट रविवार को उस समय चर्चा में आ गई, जब विमान के केबिन में अचानक चूहा देखे जाने की खबर सामने आई. सूत्रों के अनुसार फ्लाइट दोपहर 2:10 बजे दिल्ली से कानपुर पहुंची थी और 2:50 बजे उसे दोबारा दिल्ली के लिए उड़ान भरनी थी. लेकिन टेक-ऑफ से कुछ ही मिनट पहले यात्रियों की नजर केबिन में घूमते एक चूहे पर पड़ गई. जैसे ही यह बात सामने आई, विमान को तुरंत रोका गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया. जिसके बाद एयरलाइन के तकनीकी विशेषज्ञों और ग्राउंड स्टाफ ने मिलकर पूरे विमान की गहन तलाशी शुरू की. ताकि उड़ान के दौरान किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सके. यात्रियों को एयरपोर्ट लाउंज में बैठाया गया. इस दौरान कुछ यात्रियों ने देरी को लेकर हल्का असंतोष जताया. लेकिन अधिकतर ने इसे सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी कदम माना. कानपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर संजय कुमार ने आजतक को बताया कि एक पैसेंजर की कम्प्लेंट आई थी कि फ्लाइट में चूहा है. जिसके बाद पूरे विमान की तलाशी ली गई. इस दौरान चूहे को निकाला गया. इसकी वजह से फ्लाइट तीन घंटे देरी से उड़ी.

'लोगों को जिंदा रखने की जिम्मेदारी शहबाज सरकार की'

नई दिल्ली. पाक आर्मी ने 30 नागरिकों को उतारा मौत के घाट, मचा बवाल पाकिस्तानी सेना ने खैबर पख्तूनख्वा में अपने ही लोगों पर एयरस्ट्राइक किया, जिसमें करीब 30 लोगों की मौत हो गई. पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने इन हवाई हमलों में मारे गए नागरिकों पर पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है. एचआरसीपी कहा कि यह जानकर गहरा सदमा लगा है कि खैबर पख्तूनख्वा के खैबर जिले के तिराह में एयरस्ट्राइक से बच्चों सहित कई नागरिक मारे गए हैं.

एचआरसीपी ने इस घटना की तुरंत और निष्पक्ष जांच करने की मांग की. एचआरसीपी ने कहा, "इसके मामले के जिम्मेदार लोगों को दोषी ठहराएं. एक देश संवैधानिक रूप से सभी नागरिकों के जीवन के अधिकार की रक्षा करने के लिए बाध्य है, जिसे पाकिस्तान बार-बार सुरक्षित रखने में असफल रहा है." पाकिस्तान ने अपने ही एक इलाके खैबर पख्तूनख्वा में बर्बर नरसंहार किया है. 21 और 22 सितंबर की दरमियानी रात को यह खबर सामने आई कि पाकिस्तान वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा के तिराह घाटी क्षेत्र स्थित मत्रे दारा गांव, आका खेल शाल्दा पर हवाई हमला किया.

कानपुर से उठे 'आई लव मुहम्मद' ट्रेंड पर मचा बवाल

आखिर क्यों देशभर में मुस्लिम निकाल रहे हैं जुलूस?

कानपुर.

उत्तर प्रदेश के उन्नाव, बरेली, कौशांबी, लखनऊ, महाराजगंज जैसे शहरों के अलावा उत्तराखंड के काशीपुर और तेलंगाना के हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में 'आई लव मुहम्मद' के समर्थन में मुस्लिम समाज सड़कों पर उतर आया है. जगह-जगह जुलूस भी निकाले जा रहे हैं. इस दौरान कई जगह पुलिस और मुस्लिम समाज का आमना-सामना भी हुआ है. यूपी के उन्नाव में जुलूस के दौरान पुलिस पर पथराव का आरोप सामने आया है. यहां महिलाओं ने पुलिस की लाठियां छीनी और पुलिस की गाड़ियों को निशाना बनाकर पथराव किया गया. सवाल ये है कि अचानक 'आई लव मुहम्मद' को लेकर मुस्लिम समाज जुलूस क्यों निकाल रहा है? आखिर ऐसा क्या हुआ है कि मुसलमान आई लव मुहम्मद को लेकर सड़कों पर आ रहे हैं? इस पूरे विवाद की पटकथा उत्तर प्रदेश के कानपुर में लिखी गई. यहां बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मुहम्मद के साइन बोर्ड पर ऐसा विवाद हुआ, जिसका असर अब यूपी समेत देश के अलग-अलग शहरों में दिखने लगा है. पुलिस ने कराया था समझौता, जैसे ही आई लव मुहम्मद साइन बोर्ड को लेकर विवाद शुरू हुआ, पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया गया. कानपुर पुलिस के डीसीपी दिनेश त्रिपाठी के मुताबिक, सरकार का नियम है कि जुलूस में किसी तरह की नई परंपरा नहीं डाली जाएगी. मगर बारावफात के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने नई परंपरा डालते हुए परंपरा वाली जगह से टेंट हटाकर नई जगह लगाया और आई लव मुहम्मद का पोस्टर भी लगाया. डीसीपी दिनेश त्रिपाठी के मुताबिक, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विवाद का खात्मा किया और पुरानी परंपरा वाली जगह पर ही टेंट और साइन बोर्ड लगवा दिया. इस दौरान डीसीपी ने साफ किया कि आई लव मुहम्मद को लेकर कोई भी केस दर्ज नहीं किया गया है.

कौशांबी में सर तन से जुदा के नारे लगे. जिसके बाद पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया. इसका वीडियो भी वायरल हो गया है. पुलिस ने बच्चों से कान पकड़वा कर उठक बैठक करवाई है. वीडियो में कई नवयुवक हाथों में तख्ती लेकर नारेबाजी करते नजर आए.मामले में सदर सीओ शिवांक सिंह ने बताया कि मंझनपुर कस्बा क्षेत्र में कुछ बच्चों द्वारा आपत्तिजनक नारेबाजी करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ. जिसका संज्ञान लेते हुए सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया, वहीं कई बच्चों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. मुस्लिम समुदाय की महिलाओं ने विधान भवन के गेट नंबर 4 पर प्रदर्शन किया. पैगंबर मोहमद साहब के समर्थन में नारे लगाए गए. इसमें सामाजिक कार्यकर्ता सुमैया राणा भी शामिल हुईं. सुमैया ने कहा कि हमें डराया जा रहा है.

ओवैसी के एक्स पोस्ट के बाद ट्रिगर हुआ मामला

15 सितंबर को एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक एक्स पोस्ट को कोट करते हुए पोस्ट लिखी. इसमें उन्होंने कानपुर पुलिस को टैग करते हुए लिखा कि आई लव मुहम्मद कहना जुर्म नहीं है. अगर है तो इसकी हर सजा मंजूर है. ओवैसी ने जिस एक्स पोस्ट को कोट किया, उसमें भी दावा किया गया था कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कथित तौर पर नई परंपरा शुरू करने को लेकर पुलिस ने केस किया है.

कानपुर पुलिस ने अलग कहानी बताई

वहीं कानपुर पुलिस ने दावा किया है कि आई लव मोहम्मद के लिखने या बैनर लगाने पर कोई एफआईआर नहीं की गई, बल्कि परंपरागत स्थान से अलग हटकर नए स्थान पर बैनर लगाने और जुलूस निकालने के दौरान इस पक्ष के द्वारा दूसरे पक्ष का बैनर फाड़ने पर हुई है. कानपुर पुलिस ने अनुरोध किया इस संबंध में कोई भ्रांति न फैलाई जाए. कानपुर पुलिस की सफाई जबतक आती, तब तक देशभर में आई लव मुहम्मद हैशटैग ट्रेंड करने लगा. देशभर में जगह-जगह मुस्लिम समाज इसके समर्थन में जुलूस निकाल रहा है. ऐसा ही जुलूस यूपी के उन्नाव में भी निकाला गया, जिस दौरान टकराव देखने को मिला है.

मुस्लिम और हिंदू पक्ष ने लगाए एक-दूसरे पर पोस्टर फाड़ने के आरोप

इस बीच कानपुर में मुस्लिम पक्ष ने आरोप लगाया कि उसके साइन बोर्ड को फाड़ दिया गया था. हिंदू पक्ष ने आरोप लगाया कि मुस्लिम पक्ष के जुलूस में शामिल लोगों ने उनके धार्मिक पोस्टर फाड़े. वैसे पुलिस के बीच-बचाव के बाद ऐसा लगा कि मामला शांत हो गया, पर तभी एक नई घटना सामने आ गई.

'आई लव' मुहम्मद साइन बोर्ड को लेकर क्या विवाद था?

'आई लव मुहम्मद' को लेकर पिछले दिनों कानपुर में एक विवाद हुआ. ये पूरा मामला 5 सितंबर के दिन सामने आया था. कानपुर के रावतपुर में बारावफात जुलूस निकाला जा रहा था. जिस रास्ते पर जुलूस निकाला जा रहा था, उसी रास्ते पर एक जगह आई लव मुहम्मद का साइन बोर्ड लगा दिया गया. इसको लेकर हिंदू पक्ष ने विरोध किया और आरोप लगाया कि यहां नई परंपरा शुरू की जा रही है. कानपुर में ये बवाल बढ़ता उससे पहले पुलिस सक्रिय हो गई.

प्रदर्शनकारियों का पक्ष

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह बैनर पैगंबर मोहम्मद (सल्ल.) के प्रति सम्मान और प्रेम की अभिव्यक्ति थी, जो संविधान की ओर से दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आती है. स्थानीय मुस्लिम संगठनों की अगुआई में निकाले गए इस जुलूस में महिलाएं और युवा भी शामिल रहे. हाथों में तख्तियां लिए लोगों ने लिखा- 'आई लव मोहम्मद हमारा अधिकार, हमारा संदेश.' कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहा, हालांकि पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे.

हापुड़ में नवरात्र के दौरान 10 दिन तक मांस-मछली दुकानें बंद रखने का आदेश

लखनऊ. नवरात्रों को देखते हुए हापुड़ में मीट और मछली की दुकानों तथा नॉनवेज होटलों को 10 दिनों तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं. होटल संचालकों को पुलिस की तरफ से बंद रखने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं. अच्छी बात ये है कि हापुड़ में होटल संचालकों ने नवरात्रि को लेकर होटलों को बंद करने के आदेश का समर्थन किया है. हारुन चिकन रेस्टोरेंट के संचालक ऐतशाम कुरैशी ने बताया 22 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक होटल बंद रहेंगे. हमें दूसरे धर्मों का भी सम्मान करना चाहिए और नवरात्रों के दौरान पूरी तरह से पाबंदी रहनी चाहिए. पुलिस की तरफ से निर्देश मिले हैं. वहीं पुलिस की तरफ से सीओ सिटी वरुण मिश्रा ने बताया कि जो भी परंपरागत रूप से होता आया है, जो भी दुकानें बंद होती रहीं हैं, सारी कार्यवाही इस बार भी सुनिश्चित की जा रही है. दिल्ली में भी मांग नवरात्रि पर मीट की दुकानों पर बैन की मांग जोर पकड़ने लगी है.

जीएसटी घटा, क्या पेट्रोल-शराब पर मिलेगी राहत?

नई दिल्ली.

सोमवार, 22 सितंबर से भारत के इनडायरेक्ट टैक्सेशन सिस्टम में बड़े बदलाव हो गए हैं. टैरिफ अनिश्चितताओं के बीच इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए कम से कम 375 प्रोडक्ट्स पर से जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) में कटौती की जा रही है. भारत भर के कंज्यूमर्स को राहत देते हुए देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में टैक्स की 4 स्लैब को कम कर 2 कर दिया था. इस जीएसटी रिफॉर्म के बाद 5 और 18 फीसदी जीएसटी स्लैब ही रहेंगी.

वहीं एक 40 फीसदी कस स्पेशल स्लैब होगा, जिसमें लग्जरी और सिन प्रोडक्ट्स को रखा गया है. 12% जीएसटी स्लैब के तहत लगभग 99 फीसदी वस्तुएं 5% टैक्स स्लैब में आ गई हैं. इस बदलाव का मतलब यह भी है कि 28 फीसदी टैक्स स्लैब स्लैब के तहत 90 फीसदी प्रोडक्ट्स 18 फीसदी टैक्स स्लैब में आ गई हैं. सरकार ने तंबाकू, सिगरेट, लग्जरी कारों और कुछ अन्य वस्तुओं के लिए एक अलग 40 फीसदी जीएसटी स्लैब की भी घोषणा की है.

सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी रिफॉर्म से इकोनॉमी में 2 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे लोगों के हाथ में ज़्यादा कैश आएगा. कम से कम 375 प्रोडक्ट्स के टैक्स में कमी की गई है, लेकिन कुछ लोग सोच रहे होंगे कि इस नए जीएसटी रिफॉर्म से पेट्रोल, डीजल और शराब की कीमतों का क्या होगा. पेट्रोल और डीजल वर्तमान में जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं. इसलिए, जीएसटी रेट रिफॉर्म का पेट्रोल और डीजल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. भारत में, बिना टैक्स के पेट्रोल की कीमत या वास्तविक पेट्रोल की कीमत उसके रिटेल वैल्यू से अपेक्षाकृत कम है. ऐसा इसलिए है क्योंकि पेट्रोल और डीजल पर केंद्र और राज्य सरकारें दोनों टैक्स लगाती हैं.

इसलिए, पेट्रोल और डीजल की कीमतें राज्य दर राज्य अलग-अलग होती हैं, जो इस बात पर निर्भर करती है कि राज्य सरकार फ्यूल की कीमतों पर कितना टैक्स लगाती है. रिटेल प्राइस में अतिरिक्त राशियों, डीलर को दिए जाने वाले कमीशन और माल ढुलाई लागत आदि शामिल होता है. पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले विभिन्न प्रकार के टैक्स में केंद्र का उत्पाद शुल्क और राज्यों द्वारा लगाया जाने वाला वैट शामिल है. जहां उत्पाद शुल्क सभी राज्यों के लिए समान है, वहीं वैट राज्य दर राज्य बदलता रहता है, जिससे कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतें ज़्यादा और कुछ में कम हो जाती हैं.

केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है, वहीं राज्यों ने इस पर आपत्ति जताई है, क्योंकि वे पहले ही जीएसटी के दायरे में आने वाली वस्तुओं पर टैक्स लगाने की स्वायत्तता खो चुके हैं.

क्या शराब की कीमतें कम हो रही हैं?

पेट्रोल और डीजल की तरह, आज से लागू होने वाले जीएसटी रिफॉर्म का शराब की कीमतों पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा. शराब पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों के पास है, जो इन पेय पदार्थों पर वैट लगाते हैं. राज्य अपने रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा शराब से कमाते हैं, इसलिए इसे जीएसटी के दायरे में नहीं रखा गया है. अगर राज्य सरकारें किसी भी समय वैट कम करने का फैसला करती हैं, तो शराब की कीमतें कम हो जाती हैं. पेट्रोल और डीजल की तरह, शराब के टैक्स कंपोनेंट में एक्साइज ड्यूटी और वैट शामिल हैं.

आज से खुलेगा सोलरवर्ल्ड का आईपीओ

नई दिल्ली.

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड इक्विटी शेयरों के अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में अपना बोली/प्रस्ताव आज से खोलेगी। इक्विटी शेयरों का कुल ऑफर साइज 4,900 मिलियन रुपये [490 करोड़ रुपये] तक है, जिसमें 4,400 मिलियनरुपये [440 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 500 मिलियन रुपये [50 करोड़ रूपये] तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

कंपनी ने पहले 9 नवंबर 2024 को प्री-आईपीओ प्लेसमेंट के माध्यम से 1,100.00 मिलियन रूपये तक के इक्विटी शेयरों का एक और इश्यू किया था। एंकर निवेशक बोली लगाने की तारीख सोमवार, 22 सितंबर होगी। बोली/प्रस्ताव सब्सक्रिप्शन के लिए आज से खुलेगा और गुरुवार, 25 सितंबर को बंद होगा।

ऑफर का प्राइस बैंड 333 से 351 रूपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 42 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 42 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है।

ऑफर फॉर सेल में पायनियर फैकोर आईटी इंफ्राडेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक") द्वारा 500.00 मिलियनरुपये [50 करोड़ रुपये] तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल है। नूवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ऑफर के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर्स या बीआरएलएम हैं।

यह ऑफर एसईबीआई आईसीडीआर विनियमों के विनियम 31 के साथ पढ़े गए एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के अनुसार किया जा रहा है। यह ऑफर बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से एसईबीआई आईसीडीआर विनियमों के विनियम 6(2) के अनुसार किया जा रहा है, जिसमें ऑफर का 75% से कम हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) (क्यूआईबी पोर्शन) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध नहीं होगा, बशर्ते कि हमारी कंपनी बीआरएलएम के परामर्श से विवेकाधीन आधार पर एंकर निवेशकों को क्यूआईबी पोर्शन का 60% तक आवंटित कर सकती है (एंकर इन्वेस्टर पोर्शन)। एंकर इन्वेस्टर पोर्शन का एक-तिहाई हिस्सा घरेलू म्यूचुअल फंडों के लिए आरक्षित होगा, बशर्ते कि एसईबीआई आईसीडीआर विनियमों के अनुसार एंकर इन्वेस्टर आवंटन मूल्य पर या उससे अधिक पर घरेलू म्यूचुअल फंडों से वैध बोलियां प्राप्त हों। एंकर इन्वेस्टर पोर्शन में अंडर-सब्सक्रिप्शन, या गैर-आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयर क्यूआईबी पोर्शन (एंकर इन्वेस्टर पोर्शन के अलावा) (नेट क्यूआईबी पोर्शन) में जोड़े जाएंगे।

जेवर एयरपोर्ट: इंटरनेशनल उड़ानों का नया हब तैयार

नई दिल्ली.

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द शुरू होने वाला है. इस एयरपोर्ट से देश के लगभग हर बड़े शहरों के साथ-साथ विदेशों के लिए भी सीधी उड़ानें मिलेंगी. खास बात ये है कि इस एयरपोर्ट में विदेशी एयरलाइंस भी काफी दिलचस्पी दिखा रही हैं. एयरपोर्ट का काम अब लगभग पूरा हो चुका है और उम्मीद है कि 2025 के आखिर तक यहां से व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो जाएंगी. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने हाल ही में बताया कि कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस इस एयरपोर्ट से सेवाएं शुरू करने को लेकर गंभीर बातचीत कर रही हैं. इनमें पश्चिम एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया की प्रमुख एयरलाइंस शामिल हैं. फिलहाल, एयरस्पेस और उड़ानों के स्लॉट को लेकर विमर्श अंतिम चरण में है. जैसे-जैसे एयरपोर्ट के उद्घाटन की तारीख नजदीक आएगी, वैसे-वैसे एयरलाइंस की घोषणा और रूट प्लानिंग को लेकर और भी जानकारी सामने आएगी. इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के पहले चरण का काम लगभग पूरा हो चुका है. इस फेज में एक रनवे और एक अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल तैयार किया गया है, जिसकी वार्षिक यात्री संभालने की क्षमता लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों की है. पूरा एयरपोर्ट चार चरणों में विकसित किया जाएगा, जिसमें भविष्य में इसकी क्षमता और भी बढ़ाई जाएगी. अब केवल नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से लाइसेंस मिलने का इंतजार है. जैसे ही लाइसेंस मिलेगा, एयरलाइंस के साथ मिलकर उड़ानों की शुरुआत कर दी जाएगी. हाल ही में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन 30 अक्टूबर को किया जाएगा. इसके बाद 2 से 3 हफ्ते के भीतर लगभग 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू हो जाएंगी. वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा है कि इस साल के अंत तक यहां से हवाई सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी. इससे राज्य को देश और विदेश से बेहतर हवाई कनेक्टिविटी मिलेगी, जो पर्यटन, व्यापार और निवेश को भी गति देगी. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र की कनेक्टिविटी में जबरदस्त सुधार होगा. खासकर ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़ और आसपास के जिलों के लोगों को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा.

जेन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड का आईपीओ 24 सितंबर से खुलेगा

मुंबई.

अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जेन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड (जेआरपीएल) अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार, 24 सितंबर को लॉन्च करेगी, जो शुक्रवार, 26 सितंबर को बंद होगा। इस 1,250 रु. करोड़ के इश्यू में 500 रु. करोड़ का फ्रेश इश्यू और ₹750 रु. करोड़ का बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के अंतर्गत प्रमोटर कमलेश जैन 715 रु. करोड़ और मयंक पारेख 35 रु.करोड़ तक के शेयर बेचेंगे। प्राइस बैंड 220 रु. से 232 रु. प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। बोली कम से कम 64 शेयरों और उसके गुणकों में लगाई जा सकती है। एंकर इन्वेस्टर्स के लिए इश्यू 23 सितंबर को खुलेगा। इस आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी बकाया ऋण चुकाने (375 करोड़ तक) और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में करेगी। आईपीओ के तहत जारी होने वाले शेयर एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगे।

सरकारी फैसले से शिपिंग स्टॉक्स में धमाका

नई दिल्ली.

22 सितंबर को बाजार खुलते ही सेंसेक्स में 475 अंकों की गिरावट देखने को मिली. जिसकी वजह से शेयर बाजार निवेशकों को 1.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो गया. लेकिन इस गिरावट के बीच भीशिपिंग और जहाज बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई. कुछ शेयर तो 8% तक चढ़ गए. इसकी दो बड़ी वजहें रहीं. पहली,सरकार ने बड़े जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर स्टेटस दे दिया है. और दूसरी, भारतीय नौसेना की तरफ से ₹80,000 करोड़ का नया टेंडर आने वाला है. इन दोनों खबरों ने निवेशकों में नई उम्मीद जगा दी, और कई कंपनियों के शेयर चढ़ गए. इस तेजी की दूसरी बड़ी वजह है भारतीय नौसेना का आने वाला टेंडर. बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक,नौसेना चार बड़े 'लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स' यानी भारी भरकम जहाज खरीदने के लिए 80,000 करोड़ का टेंडर लाने वाली है. इस खबर से बाजार में जोश आ गया. सोमवार को सुबह 10:35 बजे तक कोचीन शिपयार्ड के शेयर 2.39% ऊपर थे, मझगांव डॉक 1.25% चढ़ा और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स 4.77% की तेजी में था. शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर 5.18% तक चढ़े. स्वान डिफेंस का शेयर सीधे 5% के ऊपरी सर्किट में पहुंच गया. गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली. दोपहर 12 बजे तक इसके शेयर 2,713.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे, जो 4% से ज्यादा की बढ़त है. शेयरों में ये उछाल जीआरएसई द्वारा हाल ही में किए गए कई अहम समझौतों की वजह से आया है. ये समझौते गुजरात के भावनगर में हुए, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' मिशन की शुरुआत की.जीआरएसई ने जिन संस्थाओं के साथ साझेदारी की है, उनमें कांडला और कोलकाता पोर्ट अथॉरिटी, इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और मोडेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं. इन समझौतों का मकसद है कि देश में शिपिंग और पोर्ट सेक्टर को मिलकर आगे बढ़ाया जाए, ताकि भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके.

कैंसर इलाज में नई क्रांति

> एओआई नांगिया में ब्रैकीथेरपी शुरू

नागपुर.

एओआई नांगिया स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने आज एओआई ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 में अपनी अत्याधुनिक ब्रैकीथेरपी सेवा शुरू होने की घोषणा की। यह मध्य भारत में व्यापक और विश्वस्तरीय कैंसर उपचार प्रदान करने के हॉस्पिटल के मिशन में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पहले से ही हेल्सियन और टूबीम जैसी उन्नत रेडिएशन मशीनों से सुसज्जित, एओआई नांगिया स्पेशलिटी हॉस्पिटल में अत्यंत सटीक बाह्य बीम रेडिएशन थेरपी दी जाती है। ब्रैकीथेरपी सेवा शुरू होने के साथ, हॉस्पिटल अब एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की रेडिएशन उपचार सेवाएं प्रदान करता है, जिससे मरीजों को तुरंत, सटीक, किफायती और उच्च गुणवत्ता वाला कैंसर उपचार उनके घर के पास ही मिलती है। मरीजों के लिए विश्व स्तरीय उपचार पहुँचाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हमारे अनुभवी ऑन्कोलॉजिस्ट टीम और अत्याधुनिक तकनीक की मदद से, हमें विश्वास है कि हम मरीजों के चिकित्सीय परिणाम बेहतर करेंगे, मरीजों को अधिक सुविधाजनक उपचार देंगे और उनके जीवन की समग्र गुणवत्ता बढ़ाएंगे। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी टीम के डॉ. चांदनी होतवानी, डॉ. मनीष माथनकर और डॉ. आशीष भांगे ने कहा, "हेल्सियन और दूबीम तकनीक के कारण सटीक बाहरी रेडिएशन उपचार संभव हुए हैं, और ब्रैकीथेरपी की शुरुआत के साथ अब हमारी संपूर्ण रेडिएशन थेरपी की सुविधाएं पूरी हो गई हैं। अब मरीज नागपुर में ही सभी उन्नत रेडिएशन उपचार तेज़, सटीक और व्यापक तरीके से प्राप्त कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य साइड इफेक्ट्स कम करना और उपचार की सफलता बढ़ाना है, ताकि मरीज केवल लंबा नहीं बल्कि बेहतर जीवन भी जी सकें। एओआई नांगिया स्पेशलिटी हॉस्पिटल में कैंसर के सभी ऑन्कोलॉजी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर एक साथ आते हैं, ताकि मरीजों को वास्तव में संपूर्ण और समग्र उपचार मिल सके। डॉ. रमाकांत तायडे, सिनियर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ने कहा: कैंसर उपचार में सर्जरी के साथ रेडिएशन बहुत महत्वपूर्ण है। ब्रैकीथेरपी उपलब्ध होने से मरीज एकीकृत और बहु-विभागीय उपचार का लाभ ले सकते हैं और इसके परिणाम और बेहतर हो सकते हैं। डॉ. सत्यम सत्यार्थ और डॉ. प्रसन्ना देशमुख, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ने साझा किया: "ब्रैकीथेरपी जैसी नई तकनीकें कीमोथेरपी, टार्गेटेड थेरपी और इम्यूनोथेरपी जैसी प्रणालीगत उपचारों के साथ अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। साथ मिलकर, हम हर मरीज के लिए सटीक और प्रभावी उपचार योजना तैयार कर सकते हैं।

ब्रैकीथेरपी क्या है?

ब्रैकीथेरपी एक लक्षित रेडिएशन उपचार है, जिसमें रेडियोधर्मी सोर्स सीधे ट्यूमर के अंदर या उसके पास रखा जाता है। इससे डॉक्टर कैंसर कोशिकाओं को उच्च मात्रा में रेडिएशन दे सकते हैं, जबकि आसपास की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान कम होता है। यह गर्भाशय ग्रीवा, गर्भाशय, प्रोस्टेट, स्तन और कुछ सिर और गले के कैंसर के लिए बहुत प्रभावी है। इसका एक और लाभ यह है कि इससे कुल उपचार समय कम हो जाता है।

सरकार बेचेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली.

सरकार इस साल आधा दर्जन से ज्यादा सरकारी कंपनियों में अपनी थोड़ी-बहुत हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है. यह जानकारी डिवेस्टमेंट सचिव अरुणीश चावला ने मीडिया से बात करते हुए दी. हालांकि उन्होंने अभी ये नहीं बताया कि ये कंपनियां कौन-कौन सी होंगी, लेकिन खबरें हैं कि पब्लिक सेक्टर बैंक जैसे यूको बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में भी हिस्सेदारी बेची जा सकती है. इसका मकसद सरकार की आमदनी बढ़ाना और बाजार में निवेशकों के लिए नई मौके पैदा करना है.चावला ने यह भी कहा कि इस वित्त वर्ष में नेचुरल रिसोर्स सेक्टर की किसी सरकारी कंपनी या उसकी सहायक कंपनी का आईपीओ हो सकता है. उन्होंने कंपनी का नाम तो नहीं बताया, लेकिन माना जा रहा है कि यह ओएनजीसी या एनएचपीसी की हरी ऊर्जा वाली कंपनी हो सकती है. इन दोनों कंपनियों ने अपने ग्रीन एनर्जी यूनिट्स को शेयर बाजार में लाने की योजना बनाई है. सरकार की योजना है कि बीमा, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण सेक्टरों में भी अल्पसंख्यक हिस्सेदारी बेची जाए. चावला ने कहा कि इन क्षेत्रों में भी शेयर बाजार के नियमों के अनुसार हिस्सेदारी की बिक्री की जाएगी. इसका मकसद निवेशकों को नए अवसर देना और इन सेक्टरों में निजी निवेश बढ़ाना है. सरकार इस साल डिवेस्टमेंट के अपने लक्ष्य से ऊपर निकलने की उम्मीद कर रही है. आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री इस वित्त वर्ष में पूरी हो सकती है. हालांकि, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि डिवेस्टमेंट से मिलने वाली रकम कई बातों पर निर्भर करती है, इसलिए निश्चित राशि बताना मुश्किल है. इसके बावजूद सरकार का लक्ष्य है कि इस साल 1.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का लाभांश हासिल किया जाए. चावला ने कहा कि साल की शुरुआत में सरकार ने कुछ हिस्सेदारी बिक्री की थी, लेकिन बाजार में अस्थिरता के कारण थोड़ी रुकावट आई. अब जब बाजार स्थिर हो गया है, सरकार फिर से तेजी से डिवेस्टमेंट को आगे बढ़ाएगी. इसके लिए वे छोटे निवेशकों के लिए भी मौके लाने की कोशिश कर रहे हैं.

डायमेन्सिटी की नई पीढ़ी, दमदार प्रदर्शन और स्मार्ट एआई

नई दिल्ली.

नए अग्रणी चिपसेट ने गेमिंग, कंप्यूट, इमेजिंग और एआई में इसकी अग्रणी स्थिति मजबूत की स्मार्टफोन एसओसी के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी नवप्रवर्तक मीडियाटेक ने अभी तक का अपना सबसे उन्नत मोबाइल प्लेटफॉर्मः दि मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 लांच करने की आज घोषणा की। ऑन-डिवाइस एआई, कंसोल क्लास गेमिंग और ऊर्जा दक्षता में नए मानक स्थापित करते हुए मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 को अग्रणी 5जी स्मार्टफोन की अगली लहर को सुपरचार्ज करने के लिए तैयार किया गया है।

इस प्लेटफॉर्म के नए कैच और मेमोरी आर्किटेक्चर में 4-चैनल यूएफएस 4.1 के लिए इस उद्योग का पहला सपोर्ट, डबल रीड/राइट स्पीड और 40 प्रतिशत तक बड़ा एआई मॉडल लोडिंग शामिल है। दूसरी पीढ़ी का डायमेन्सिटी शिड्यूलर भारी काम के दबाव में भी इसके रॉ पावर को सुगम जवाबदेही और सतत दक्षता में परिवर्तित करता है।

आर्म जी1-अल्ट्रा जीपीयू को एकीकृत करते हुए मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 यूज़र्स को 33 प्रतिशत अधिक पीक परफॉर्मेंस और 42 प्रतिशत अधिक ऊर्जा क्षमता उपलब्ध कराता है और 120एफपीएस तक के डबल फ्रेम रेट इंटरपोलेशन की पेशकश करता है ताकि गेमर्स कंसोल स्तर के रेट्रेसिंग का आनंद उठा सकें। मीडियाटेक का अग्रणी स्टूडियोज़ के साथ गठबंधन और अनरीयल इंजन 5.6 में मेगालाइट्स के लिए और अनरीयल इंजन 5.5 में नैनाइट के लिए सपोर्ट से एएए स्तर की रीयल टाइम रेंडरिंग और इमर्सिव लाइटिंग इफेक्ट्स सुलभ होता है।

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

ठाकरे बंधुओं का गठबंधन

राज्य में हो रही चर्चा, साथ आएंगे नजर!

मुंबई.

राज्य में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे पिछले कुछ महीनों से एक साथ नजर आ रहे हैं. इनके गठबंधन की राज्य में चर्चा है. दोनों एक साथ कई बार एक ही मंच पर नजर आ चुके हैं. अब संभावना है कि ये दोनों नेता कल यानी सोमवार को एक मंच पर फिर साथ नजर आ सकते हैं. आखिर ऐसी क्या वजह है जो दोनों साथ नजर आ रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, सोमवार को मुंबई स्थित शिवाजी पार्क जिमखाना की पुनर्निर्मित इमारत का उद्घाटन होगा. इस इमारत

का उद्घाटन मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे करेंगे. बताया जा रहा है कि सोमवार यानी 22 सितंबर को होने वाले इस उद्घाटन समारोह में उद्धव ठाकरे को भी आमंत्रित किया गया है. इसलिए संभावना है कि दोनों नेता कल फिर एक ही मंच पर नजर आएं. राज ठाकरे इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे, लेकिन अगर उद्धव ठाकरे भी इस कार्यक्रम में शामिल होते हैं तो ये दोनों नेता फिर एक ही मंच पर नजर आएंगे. कुछ महीनों से चर्चा चल रही है कि दोनों दल आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गठबंधन कर सकते हैं. हालांकि, इस गठबंधन पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है. दोनों दलों के कई नेता इस गठबंधन की इच्छा जता चुके हैं. दोनों दलों के नेता व कार्यकर्ता एक साथ कुछ रैलियों में भी शामिल हुए हैं, इसलिए अब सभी ने इन दोनों नेताओं के बीच सुलह की इच्छा जताई है. हालाँकि, इस गठबंधन पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है.

मराठी वोटों का बिखराव रोकना है वजह

असल में शिवसेना, उद्धव बालासाहेब ठाकरे और मनसे दोनों ही मराठी हैं. दोनों ही नेताओं की राज्य में पकड़ मजबूत है, लेकिन जब दोनों में अलगाव हुआ तो मराठी वोट बंट गए थे. बस अब दोनों भाई पिछली बातों को बुलाकर फिर एक साथ आ गए हैं. दोनों ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी हैं.

रेसिंग का जुनून पड़ा भारी

> लैंबॉर्गिनी ड्राइवर ने की तेज रफ्तार में टक्कर!

मुंबई. मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार को एक लैंबॉर्गिनी कार हादसे का शिकार हो गई. लैंबॉर्गिनी कार के चालक को लापरवाही से गाड़ी चलाना यहां महंगा पड़ गया, जिसमें कार के परखच्चे उड़ गए. कार आगे-पीछे से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई.

ये घटना दक्षिणवाणी कोस्टल रोड पर नमन बिल्डिंग के सामने हुई, जहां रोड पर लैंबॉर्गिनी कार तेज रफ्तार से आती है और सीधा डिवाइडर से टकरा जाती है. बताया जा रहा है कि कार बहुत तेज रफ्तार में थी, जो रोड पर पानी में फिसली और डिवाइडर से जा टकराई. इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफतौर पर देखा जा सकता है कि कैसे लैंबॉर्गिनी चालक तेज रफ्तार से कार को दौड़ा रहा है. कार चालक की स्पीड इतनी तेज की थी कि मानो वह सड़क को रेसिंग ट्रैक समझकर कार दौड़ा रहा हो और यही तेज रफ्तार हादसे की वजह बन गई. तेज रफ्तार से आ रही लैंबॉर्गिनी सीधा डिवाइडर से टकराई.

हादसे के बाद लैंबॉर्गिनी की भी तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त नजर आ रही है. हालांकि, गनीमत ये रही कि इस हादसे में लैंबॉर्गिनी चालक जख्मी नहीं हुआ, लेकिन इतनी तेज और खतरनाक तरीके से ड्राइविंग से उसने न सिर्फ अपनी जान को खतरे में डाला, बल्कि लापरवाही के कारण गाड़ी को भी काफी नुकसान हुआ.

इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस ने चालक पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125 और 324 (4) के साथ-साथ मोटर व्हीकल्स एक्ट की धारा 184 के तहत भी केस दर्ज किया है. इस घटना का वीडियो रेमंड कंपनी के मालिक ने भी एक्स पर शेयर किया है. उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, एक और दिन, एक और लेम्बोर्गिनी हादसा, इस बार मुंबई के कोस्टल रोड पर. क्या इन कारों में ट्रैक्शन भी है?

मराठा आरक्षण विरोधी की कार में लगी आग

जालना. एक अज्ञात व्यक्ति ने ओबीसी कार्यकर्ता नवनाथ वाघमारे की कार में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में रविवार रात करीब 10 बजे नीलम नगर इलाके में यह घटना हुआ। यहां खड़ी कार पर एक शख्स को ज्वलनशील तरल डालकर आग लगाते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में मदद की। हालांकि, कार का केवल ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। वाघमारे ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि यह कृत्य मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के समर्थकों ने किया, जो जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव के निवासी हैं। वाघमारे ने कदीम जालना पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है। वाघमारे और अन्य ओबीसी कार्यकर्ता मराठा समुदाय को ओबीसी कैटेगरी के तहत आरक्षण देने का विरोध कर रहे हैं। नवनाथ वाघमारे ने कहा, 'मेरी कार को जानबूझकर आग लगाई गई। स्थानीय लोगों ने आग फैलने से पहले इसे बुझाया। मैं डरने वाला नहीं हूं। हम संविधान का पालन करते हैं और इस तरह के कृत्यों का सहारा नहीं लेते। अगर ओबीसी कार्यकर्ताओं ने जरांगे की कार में आग लगाई होती तो क्या होता?' उन्होंने इस घटना में जरांगे के समर्थकों की भूमिका का आरोप लगाया और पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जालना जिला मराठा, ओबीसी, धनगर और बंजारा समुदायों के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद का केंद्र बना हुआ है।

ठाणे-मुंबई मेट्रो का ट्रायल रन शुरू

मेट्रो-4 और 4 ए के फर्स्ट फेज ट्रायल से जुड़े 10 स्टेशन

ठाणे.

ठाणे में सोमवार 16,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे मेट्रो-4 और मेट्रो-4ए प्रोजेक्ट का ट्रायल रन शुरू हुआ. यह ट्रायल रन दोपहर 12:01 बजे गायमुख मेट्रो स्टेशन से शुरू किया गया. इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे मौजूद रहे. हालांकि, उपमुख्यमंत्री अजित पवार इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे. ट्रायल रन डोंगरीपाडा से गायमुख स्टेशन तक 4.638 किलोमीटर के मार्ग पर शुरू हुआ. एमएमआरडीए के फर्स्ट फेज के तहत मेट्रो-4, मेट्रो-4 के 10 किलोमीटर मार्ग पर ये सर्विस शुरू करने का प्लान बनाया गया है, लेकिन बिजली आपूर्ति का काम पूरा

नहीं होने की वजह से ही ये 4.638 किलोमीटर के मार्ग पर ट्रायल रन की शुरुआत हुई. अब जो मार्ग बच गया है. उस पर भी जरूरी इंतजाम होने के बाद ट्रायल रन शुरू किया जाएगा. मेट्रो सेवा की शुरुआत पहले चरण में ठाणे के कैडबरी जंक्शन से गायमुख स्टेशन के बीच की जाएगी. इस 10 किलोमीटर लंबे मार्ग पर कुल 10 स्टेशन होंगे, जिनमें कैडबरी जंक्शन, माजीवाडा, कापुरबावडी, मानपाडा, टिकुजिनिवाडी, डोंगरीपाडा, विजय गार्डन, कासारवडवली, गोवनीवाडा और गायमुख शामिल हैं. यह परियोजना मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की ओर से बनाई जा रही है. वडाला का सारवडवली गाय मुख के बीच मेट्रो-4 और मेट्रो-4ए कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है. पहले चरण में तकनीकी जांच और ट्रायल रन को आज हरी झंडी दिखाई गई है. ठाणे शहर में इस रूट पर मेट्रो सेवा शुरू होने से ठाणे और मुंबई के बीच यातायात सुगम होगा और हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. इसके साथ ही ठाणे शहर का कंजेक्शन मुंबई एमएमआर से भी बढ़ जाएगा. ठाणे और मुंबई के हजारों यात्रियों को मेट्रो-4 और मेट्रो-4ए प्रोजेक्ट से सीधा फायदा मिलेगा. इस रूट पर मेट्रो सेवा शुरू होने से रोजाना ऑफिस जाने वालों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और समय की बचत होगी. स्थानीय लोगों के लिए शहर के भीतर आवागमन आसान होगा और सड़कों पर भीड़ भी कम होगी.

'विधायक को 2 करोड़, मुझे 20 करोड़'

> शिवसेना नेता के बयान पर बवाल

माहिम. माहिम के पूर्व विधायक सदा सरवणकर के एक बयान ने राज्य की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है. उनके अनुसार, मौजूदा विधायकों को केवल 2 करोड़ रुपये का फंड मिलता है, जबकि उन्हें विधायक न रहते हुए भी 20 करोड़ रुपये मिले थे. माहिम के पूर्व विधायक ने विपक्ष के उन आरोपों को और हवा दी है कि धन का आवंटन सत्तारूढ़ दल के सदस्यों को चुनिंदा रूप से किया जा रहा है. अपने निर्वाचन क्षेत्र (दादर-माहिम क्षेत्र) में एक कार्यक्रम में बोलते हुए सदा सरवणकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें, नेता ने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) खेमे के मौजूदा विधायक महेश सावंत को विकास कार्यों के लिए केवल 2 करोड़ रुपये दिए गए. एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट से जुड़े सरवणकर ने कहा, लेकिन, विधायक न होते हुए भी, मुझे नागरिकों के काम के लिए 20 करोड़ रुपये मिले. पिछले कुछ वर्षों में महायुति सरकार के गठन के बाद से, धन वितरण में भेदभाव की बातें हो रही हैं, इन आरोपों को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके दो उप-मुख्यमंत्री शिंदे और अजित पवार सहित इसके नेताओं ने सिरे से खारिज कर दिया है. हालांकि, सरवणकर के बयान विपक्षी सदस्यों के आरोपों को बल दिया है.

आज का राशिफल

मेष – आज का दिन रिश्तों, करियर में उन्नति और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनर्जी प्रदान करता है। फ्यूचर के लक्ष्यों की स्ट्रैटजी बनाने के लिए अच्छा समय है।

वृषभ – आज सेहत का ध्यान रखें। आपको अपने विचारों को अपनाने और इसे जीवन के सभी पहलुओं पर लागू करने के लिए मोटिवेट किया जाता है।

मिथुन – आज के दिन अपनी पर्सनल लाइफ में आप अपने पार्टनर के साथ अधिक पर्सनल कनेक्शन विकसित कर सकते हैं। यह पर्सनल जरूरतों पर फोकस करने का समय है।

कर्क– आज आपके करियर की गति धीमी नहीं होनी चाहिए। इन्स्पेक्ट करें कि क्या आपका वर्तमान काम आपके लॉंग टर्म लक्ष्यों को पूरा करता है।

सिंह – आज का दिन अपने जरूरी प्लांस बनाने के लिए शुभ है। अपने बॉस के सामने अपनी कमिटमेंट, काम का तरीका और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को दिखाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है?

कन्या – आज का दिन आपके सामाजिक जीवन में नई रुचि लाएगा। आपकी विभिन्न संस्कृति के लोगों से जुडने की क्षमता नए अवसर या पार्टनरशिप के लिए एक खुला द्वार है।

तुला – आज हो सकता है कि आप अचानक खुद को उत्सुकता के साथ असाइनमेंट पर काम करते हुए पाएं। आर्थिक लाभ के अवसर भी मिलेंगे।

वृश्चिक – आज नेटवर्क बनाएं, अपनी स्किल्स का उदाहरण दें और प्रोजेक्ट्स पर पहल करने से न डरें। अपने पार्टनर के साथ सम्मान और संयम से व्यवहार करें।

धनु – आज के दिन डिटेल्स पर काम करने और चीजों को मैनेज करने में बिजी रहेंगे। किसी सम्मेलन, वेबिनार या यहां तक कि व्यावसायिक यात्रा के लिए प्रयास करें।

मकर – आज आप स्किल्स को बढ़ाने या नए मार्केट के बारे में अधिक जानने पर विचार करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं। आज का मुख्य जोर आपके पर्सनल फाइनेंस के बढ़ते पक्ष पर है.

कुंभ – आज का दिन पर्सनल ग्रोथ और विस्तार की संभावनाओं से भरा है। विचारों को विकसित करने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ बात करने और काम करने की अपनी क्षमता दिखाने का यह सही अवसर है।

मीन – आज के दिन फ्रेश एनर्जी के साथ अपने करियर की ओर बढ़ें। आपकी बिजनेस शुरू करने की भावना काफी बढ़ जाएगी।

पैसे न देने पर पति ने की पत्नी की हत्या

मुंबई. मुंबई के चारकोप पुलिस ने एक 41 साल के शख्स को गिरफ्तार किया जिसने अपनी पत्नी की पहले बुरी तरह पिटाई की और बाद में पत्नी का गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया. पुलिस ने आरोपी दसा राणा के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर लिया. चारकोप पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दंपति का नाबालिग बेटा, घटना का गवाह था और उसने पुलिस को इसके बारे में बताया.

आरोपी कथित तौर पर अपनी पत्नी से पैसे मांग रहा था क्योंकि वह ओडिशा में अपने गांव जाना चाहता था. लेकिन पत्नी ने उसे पैसे देने से इनकार कर दिया, गुस्से में आकर आरोपी ने पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी. गिरफ्तार आरोपी की पहचान दसा राणा के रूप में हुई, जो पेशे से मजदूर है.

FORM N.D.
[See Rule 92 (3)]

Notice to be published in newspaper by the successor to the vehicle owner.

It is hereby informed for the knowledge of public that **Late Shri. Pratik S/o. Ramesh Narnaware,** owner of the Motor Cycle **Honda Shne** No. **MH-40-AS-2779,** has expired on **25-05-2015.**

I, **Ramesh Vithobaji Narnaware ,** R/o. Mahatma Gautam Ward 6, Mohpa, Nagpur-02, being the successors to the possession of the above mentioned to confer intend to use the Vehicles and accordingly.

I have applied to the appropriate R.T.O. authority / Regional Transport Office Nagpur/Transport Authority for the Transfer of Vehicles on my name.

Any person having any claim or objection in this regard, should within 07 days from the date of publication of this notice, bring such fact to the notice of Regional Transport office/region Transport Authority.

Nagpur / Dt. 22.09.2025 Name of the successor.
Ramesh Vithobaji Narnaware
R/o. Mahatma Gautam Ward 6, Mohpa, Nagpur-02,

PUBLIC NOTICE
Process No. 17474 Date 11.09.25
IN THE COURT OF 11th Jt. CIVIL JUDGE SR. DN., NAGPUR. (M.S.) Room No. 612
Succession Case No. 219/2025
Fixed For 17/10/2025

Applicants : 1) Vaishnavi Yashwant Puri & others -Versus-
Non Applicants : Nil
Name of Deceased : Late Shyamsunder Kailas Bharti, Died On: 04/11/2023, R/o 19/2, Somwari Quarter, Near Vima Hospital Nagpur.

Whereas **Late Shyamsunder Kailas Bharti, Died On: 04/11/2023, R/o 19/2, Somwari Quarter, Near Vima Hospital Nagpur.** Died at **Nagpur** and Whereas **Vaishnavi Yashwant Puri & others** has presented an application to this court for grant of Succession Certificate U/s. 372 of Indian Succession Act, **In respect of the Amount Rs. 8,85,493/-** in the name of the deceased & left by the deceased.

This is to give Public Notice to all persons who may dispute the right of the said Applicant **Vaishnavi Yashwant Puri & others** as successor, of the deceased, to appear in the Court of **11th Jt. Civil Judge Sr. Dn., Nagpur** on **17th day of Oct., 2025** at 10.30 a.m. There to enter their objections and it is here by declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on succession of the said deceased. Given under my hand and the seal of the court, this day of **11th day of Sept., 2025.**

Seal — By order of the Court Asstt. Supdt. (T.W.) Court of Civil Judge Sr.Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 6493 Dt. 17/09/25
IN THE COURT OF 3rd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 516
M.J.C. Case No. 877/2025
Fixed For 03/10/2025

Applicant : 1) Dilip Diwanrao Wanve, 2) Narendra Diwanrao Wanve, 3) Ankush Diwanrao Wanve, 4) Shila Chanduji Zanzal, 5) Leela Nathuji Mutkure
--Versus-- Non-Applicants:Nil
Name of Deceased : 1) Diwanrao Karuji Wanve, Died On: 28/09/2017, R/o Santoshi Mata Mandir Jawal, Qtr No. 33/3, Somwari Qtr Hanuman Nagar, S.O. Nagpur-440009

Whereas **Diwanrao Karuji Wanve, Died On: 28/09/2017,** R/o Santoshi Mata Mandir Jawal, Qtr No. 33/3, Somwari Qtr Hanuman Nagar, S.O. Nagpur-440009 and Whereas **Dilip Diwanrao Wanve & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Dilip Diwanrao Wanve & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **3rd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **3rd Day of October, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **16th day of Sept., 2025.**

Seal — By order of the Court Asstt. Supdt. (T.W.) Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Process No. 15246 Date 18.08.25
IN THE COURT OF 21st Jt. CIVIL JUDGE SR. DN., NAGPUR. (M.S.) Room No. 511-A
Succession Case No. 190/2025
Fixed For 16/10/2025

Applicants : 1) Hemant Kolwadkar & others -Versus-
Non Applicants : Nil
Name of Deceased : 1) Late Keshao Nilkath Kolwadkar, Died On 12/12/2005, 2) Shobha Keshao Kolwadar, Died On 08/11/2010, Both R/o Plot No. 21, Flat No. F-1, Dhanshri Apartment, Bharat Nagar, Nagpur.

Whereas **1) Late Keshao Nilkath Kolwadkar, Died On 12/12/2005, 2) Shobha Keshao Kolwadar, Died On 08/11/2010,** Both R/o Plot No. 21, Flat No. F-1, Dhanshri Apartment, Bharat Nagar, Nagpur. Died at **Nagpur** and Whereas **Hemant Kolwadkar & others** has presented an application to this court for grant of Succession Certificate U/s. 372 of Indian Succession Act, **In respect of the bonus shares & Securities, split shares, Bank Account & Other benefits** in the name of the deceased & left by the deceased.

This is to give Public Notice to all persons who may dispute the right of the said Applicant **Hemant Kolwadkar & others** as successor, of the deceased, to appear in the Court of **Civil Judge Sr. Dn., Nagpur** on **16th day of Oct., 2025** at 10.30 a.m. There to enter their objections and it is here by declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on succession of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, this day of **18th day of August., 2025.**

Seal — By order of the Court Asstt. Supdt. (T.W.) Court of Civil Judge Sr.Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 6644 Dt. 19/09/25
IN THE COURT OF 3rd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 516
M.J.C. Case No. 925/2025
Fixed For 16/10/2025

Applicant : 1) Indubai Prabhakar Munje, 2) Kishor Prabhakar Munje, 3) Nandu Prabhakar Munje --Versus--
Non-Applicants:Nil
Name of Deceased : 1) Prabhakar Keshavrao Munje, Died On: 16/08/1988, R/o Plot No. 49, Behind Datta Mandir, New Sahakar Nagar Hanuman Nagar S.o. Nagpur-440009

Whereas **Prabhakar Keshavrao Munje, Died On: 16/08/1988,** R/o Plot No. 49, Behind Datta Mandir, New Sahakar Nagar Hanuman Nagar S.o. Nagpur-440009 and Whereas **Indubai Prabhakar Munje & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Indubai Prabhakar Munje & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **3rd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **16th Day of October, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **19th day of Sept., 2025.**

Seal — By order of the Court Asstt. Supdt. (T.W.) Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
साईं नगर, बालाजी मंदिर के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

NPS Committed to your Wellness
DR. NANDI PATH LAB
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex, ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 1 ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोंबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066, 9579254999
Per Song 1500
दि. 10 आगस्ट 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख,
8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड,
अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट,
वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका,
7/12 फेरफार साठी अर्ज,
फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे
9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
"Little Minds, Big Adventures"
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105
Vilas Zanzote 9372211220
7972365539 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
:: ADMISSION OPEN FOR 2024-2025 ::
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
CONTACT US
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्युशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्युशन क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टैंड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535,
8055705535
पता: घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेनड्राइव में डालते हैं.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एंवम कोई भी पुराना (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

24 Pride Club
INNOVATIVE BUSINESS MEMBERSHIP
Monthly Networking opportunity
Our Offerings
• Free Live Business Interview on BCN News Channel (10–15 Minutes)
• Free 180 sq. cm Newspaper Ad Design
• Gift Vouchers Worth ₹60,000 & Discounts Worth Lakhs
• Exclusive Offers at 100+ Outlets Across Nagpur
• 12 Monthly Business Lunch Meetings
• Official Business Member Tag
• Access to a 2500+ Customer Database
• Connect with 100+ Businesses for Growth & Collaboration
• 45-Second Business Introduction Slot at Every Meet
• Expert Training Sessions Monthly
• ₹1 Lakh Accidental Insurance Coverage
• 3 Coordinators with Business Presentation Opportunities
JOIN NOW
Scan And Fill The Registration Form
Registration Link
https://registration.24starpride.club/
Contact: +91 8788895854
www.24starpride.club.com
DR.RICHA JAIN PRESIDENT
IMRAN SHEIKH SECRETARY
36,Gandhi Grain market, telephone exchange square near masoct hondashowroom, Nagpur - 440008

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

सुविचार

सफलता उनके कदम चूमती है जो हर कठिनाई में हिम्मत नहीं हारते, बल्कि हर चुनौती को एक अवसर मानते हैं।

संपादकीय

नवरात्रि में व्रत का महत्व

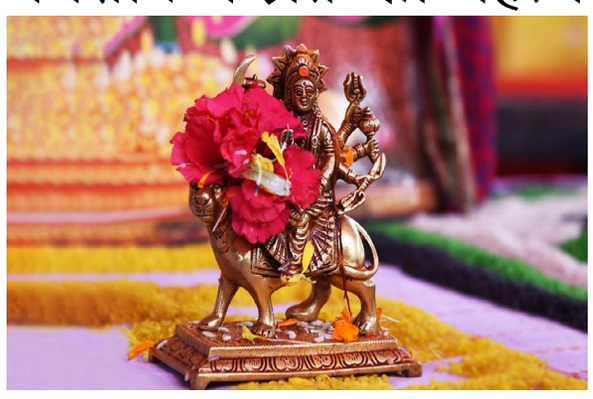

❑ भारत में नवरात्रि केवल देवी दुर्गा की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक यात्रा और शरीर, मन तथा आत्मा की शुद्धि का समय भी है। नवरात्रि के नौ दिन व्रत और उपवास रखने का प्राचीन परंपरागत महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह समय बुराई पर अच्छाई की जीत, अज्ञान पर ज्ञान की विजय और आलस्य पर अनुशासन की जीत का प्रतीक है।

व्रत के दौरान भक्त विभिन्न प्रकार के नियमों का पालन करते हैं। कुछ लोग केवल एक प्रकार का भोजन करते हैं, जैसे फल, दूध, उपवास सामग्री (साबूदाना, कुट्टू का आटा आदि) और हल्का भोजन। कुछ लोग पूरे दिन भोजन से परहेज करते हैं और केवल ताजा फलों या पंचामृत का सेवन करते हैं। इसका उद्देश्य शरीर को हल्का करना और मानसिक एकाग्रता बढ़ाना है। यह केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। आध्यात्मिक दृष्टि से, व्रत रखने से व्यक्ति की मानसिक शक्ति बढ़ती है। जब हम अपने शरीर पर संयम रखते हैं, तो यह मन को भी संयमित करने का अभ्यास बन जाता है। नवरात्रि व्रत में, प्रत्येक दिन देवी के एक रूप की पूजा की जाती है। इससे भक्तों को आत्म-नियंत्रण, धैर्य और साहस जैसे गुण विकसित होते हैं। यह हमें सिखाता है कि बाहरी संघर्षों के साथ-साथ आंतरिक संघर्षों को भी जितना आवश्यक है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी व्रत के कई लाभ हैं। यह शरीर को डिटॉक्स करने का अवसर देता है। व्रत में सीमित और नियंत्रित भोजन लेने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। साथ ही, नियमित व्रत से ध्यान और योगाभ्यास के लिए समय मिलता है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। कई विशेषज्ञ बताते हैं कि व्रत और उपवास आधुनिक जीवन की व्यस्तता और अनियमित खान-पान से बचने का प्राकृतिक तरीका भी है। सामाजिक दृष्टि से व्रत और उपवास समुदाय में एकजुटता का संदेश देते हैं। परिवार और पड़ोस के लोग एक साथ भोजन और पूजा करते हैं, जिससे पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते मजबूत होते हैं।

इसके अलावा, व्रत से यह संदेश भी मिलता है कि संयम और साधना के द्वारा व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन ला सकता है। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में नवरात्रि व्रत न केवल धार्मिक परंपरा का पालन करने का अवसर है, बल्कि यह मानसिक शांति, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम भी बनता है। व्रत रखने वाले व्यक्ति न केवल देवी की कृपा प्राप्त करते हैं, बल्कि अपने भीतर शक्ति, आत्म-विश्वास और संतुलन भी अनुभव करते हैं। नवरात्रि व्रत केवल "भोजन का त्याग" नहीं, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, संयम और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि शक्ति और सफलता केवल बाहरी प्रयास से नहीं, बल्कि आंतरिक संयम और आत्म-विश्वास से भी मिलती है। इसलिए, इस नवरात्रि पर व्रत और उपवास को केवल परंपरा के रूप में नहीं, बल्कि जीवन सुधार और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अपनाना चाहिए।

21वीं सदी में आयुर्वेद, आधुनिक जीवन के लिए प्राचीन ज्ञान

❑ 23 सितंबर को प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जिससे आयुर्वेद इस प्राचीन जीवन-विज्ञान को मान्यता दी जा सके और इसके महत्व को आधुनिक युग में भी प्रचारित किया जा सके। जब आज की ज़िंदगी तनाव, नींद की कमी, चिंता, वज़न की दिक्कतों और हार्मोनल गड़बड़ियों से घिर जाती है, तो कई लोग राहत पाने के लिए आयुर्वेद की शरण लेते हैं।

आयुर्वेद सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र कला है, जो मन, शरीर और आत्मा के संतुलन पर आधारित है। प्राचीन आयुर्वेद हमें सिखाता है- समय पर उठो, योग और ध्यान करो, सात्त्विक भोजन खाओ और बादाम जैसे पोषक विकल्पों को अपनाओ, ताकि भागदौड़ भरी ज़िंदगी में भी स्थिरता और ऊर्जा बनी रहे।

आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन विभिन्न आयुर्वेद आधारित जीवनशैली उपायों को साझा करती हैं और बताती हैं कि ये प्राचीन प्रथाएं आज के दौर में हमें कैसे लाभ पहुँचा सकती हैं। यह संदेश हर वर्ष 23 सितंबर यानी आज मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' पर और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

सुबह जल्दी उठना. आयुर्वेद कहता है कि हमारी दिनचर्या को प्रकृति के साथ जोड़ना चाहिए। इसलिए सुबह सूरज उगने से लगभग एक घंटे पहले, यानी ब्राह्म मुहूर्त में उठने की सलाह दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस समय उठने से उम्र बढ़ती है और बीमारियों से बचाव होता है।

साथ ही, इससे मन शांत रहता है, सोच में साफ़गोई आती है और दिन की शुरुआत तरोताज़ा होती है। व्यक्तिकरण (पर्सनलाइज़ेशन) आयुर्वेद की एक प्रमुख विशेषता है। व्यक्ति अपने प्रमुख दोष- पित्त, कफ या वात- को समझकर अपनी दिनचर्या, आहार और व्यायाम में संतुलन स्थापित कर सकता है। उदाहरण स्वरूप: पित्त प्रधान व्यक्तियों के लिए ठंडक देने वाले आहार उपयुक्त होते हैं, वात प्रकृति के लिए स्थिरता और शांति देने वाले आहार व गतिविधियाँ लाभदायक होती हैं, जबकि कफ व्यक्तियों के लिए ऊर्जावान व सक्रिय दिनचर्या लाभप्रद मानी जाती है। आज के समय में, जब लोग व्यक्तिगत स्वास्थ्य और वेलनेस को प्राथमिकता दे रहे हैं, तो आयुर्वेद की यह दृष्टि और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस'

आहार का महत्व

आयुर्वेद में आहार को औषधि के रूप में माना गया है। यह ताजे फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें तथा बादाम जैसे मेवों के सेवन पर बल देता है, जिन्हें प्राण (जीवनशक्ति) से भरपूर माना जाता है। इसके विपरीत, आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में प्रचलित प्रोसेस्ड और रेडी-टू-ईट भोजन हानिकारक माने जाते हैं। पूर्व नियोजित, सरल एवं पौष्टिक भोजन- जैसे कटे हुए फल जो सभी धातुओं (टिस्सुस) का पोषण करते हैं, या मुट्ठीभर बादाम, जो शरीर को पोषण देने के साथ-साथ मन को भी संतुष्ट करते हैं- संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। विशेष रूप से भिगोए हुए बादाम, जब प्रतिदिन सुबह सेवन किए जाएं, तो वे शरीर को मज़बूती प्रदान करते हैं, त्वचा को स्वस्थ रखते हैं और दोषों का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।

योग और ध्यान

योग, आयुर्वेद की दिनचर्या का ज़रूरी हिस्सा है। यह शरीर और मन दोनों के लिए फायदेमंद है. खासकर आज की टेंशन भरी लाइफ में। अगर आप रोज़ योग करते हैं, तो आपको कम चिंता होगी, शरीर मज़बूत और लचीला बनेगा, ध्यान बढ़ेगा और भावनाओं पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा। अगर योग के साथ ध्यान भी किया जाए, तो मन और भी शांत होता है और अंदर से स्थिरता महसूस होती है।

नवरात्रि के दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी माता का वास

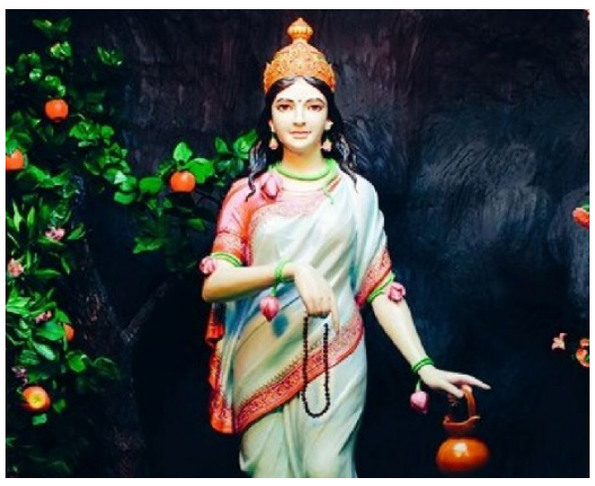

❑ नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की आराधना की जाती है। उन्हें तपस्या और संयम की देवी माना जाता है। ब्रह्मचारिणी शब्द का अर्थ होता है. वह माता जो ब्रह्मचर्य का पालन करती हैं, यानी ज्ञान, साधना और संयम के मार्ग पर चलती हैं। उनका आशीर्वाद हमें आत्म-संयम, शांति और धैर्य प्रदान करता है। इस दिन माता की पूजा में लाल रंग प्रमुख होता है, जो शक्ति, ऊर्जा और साहस का प्रतीक है। कथा के अनुसार, माता ब्रह्मचारिणी ने अपने जीवन का अधिकांश समय तप और साधना में बिताया। उन्होंने सुख-सुविधाओं और सांसारिक जीवन का त्याग किया और अपने मन, वचन और कर्म में पूर्ण संयम बनाए रखा। उनके जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य था. भगवती शक्ति के माध्यम से जगत की भलाई और आध्यात्मिक उन्नति। माता ब्रह्मचारिणी ने अपने तप के दौरान सभी भौतिक इच्छाओं को त्याग दिया और अपने हृदय को केवल ईश्वर की भक्ति में लगा दिया। माना जाता है कि माता ब्रह्मचारिणी को उनकी कठोर साधना और ब्रह्मचर्य पालन के लिए ही वरदान मिला कि वे संसार की सभी इच्छाओं से ऊपर उठकर शक्ति स्वरूप बनें। उनके दो हाथ हैं. एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल। जपमाला उनके ध्यान और साधना का प्रतीक है, जबकि कमंडल उनके संयम और आत्म-शुद्धि का संदेश देता है। भक्त इस दिन माता से अपनी आंतरिक शक्ति, संयम और विवेक प्राप्त करने की प्रार्थना करते हैं। वे माता को लाल वस्त्र पहनाकर, लाल फूल अर्पित कर पूजा करते हैं। लाल रंग उनके साहस, ऊर्जा और निडरता का प्रतिनिधित्व करता है। इस दिन श्रद्धालु निर्जला व्रत रखते हैं और रातभर माता की कथा और भजन में समय व्यतीत करते हैं। कथा सुनाई जाती है कि जो व्यक्ति माता ब्रह्मचारिणी की भक्ति और आस्था से पूजा करता है, उसका जीवन संतुलन, संयम और आध्यात्मिक उन्नति से परिपूर्ण होता है। माता अपने भक्तों को जीवन में सही मार्ग दिखाती हैं और उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस बनाए रखने की शक्ति देती हैं। इस प्रकार, नवरात्रि के दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी माता की पूजा केवल शक्ति की आराधना नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, संयम और तप का संदेश भी देती है। भक्त इस दिन लाल रंग से सजी वस्तुएं पहनकर, लाल फूल और लाल रंग के प्रसाद के साथ माता को प्रसन्न करते हैं। उनका आशीर्वाद व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और ज्ञान की वृद्धि करता है। इस दिन का संदेश यह है कि जीवन में स्थायी सफलता और सच्ची शक्ति केवल संयम, तप और भक्ति से ही प्राप्त होती है। माता ब्रह्मचारिणी हमें यह सिखाती हैं कि भौतिक सुखों के पीछे भागने के बजाय, हमें अपने भीतर की शक्ति और आत्म-संयम की खोज करनी चाहिए।

कविता

नवरात्रि का उत्सव

फूलों से सजा माता का दरबार,
घंटों की गूंज, और दीपों की बहार।
सात रंगों में रंगा हर एक दिन,
भक्ति में डूबा हर छोटा और बड़ा मन।
गरबा की ताल और ढोलक की थाप,
भक्तों के हृदय में माँ का मान।
माँ दुर्गा के चरणों में सारा संसार,
हर दुःख मिटे, हर मन हो उद्धार।
सिंदूर और चुनरिया का अद्भुत नृत्य,
सजे हैं मंदिर, बगिया और पथ्य।
आओ मिलकर हम भी करें वंदन,
नवरात्रि का ये पर्व लाए सुख और शांति सदा नयन।

नवरात्रि में चनिया चोली और बिंदी: उमंग, भक्ति और परंपरा का संगम

❑ नवरात्रि भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पावन पर्व है, जिसे माता दुर्गा के नौ रूपों की आराधना के लिए उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस समय महिलाओं का पारंपरिक पहनावा और सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र बन जाती है। इस पर्व में चनिया चोली और बिंदी का महत्व केवल फैशन या श्रृंगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक पहचान का प्रतीक भी है। चनिया चोली, जिसे अक्सर लहंगा चोली भी कहा जाता है, पारंपरिक भारतीय पोशाक है जिसमें लंबी और घेरदार स्कर्ट (चनिया) और खूबसूरत कढ़ाई या एम्ब्रॉयडरी वाली ब्लाउज (चोली) शामिल होती है। नवरात्रि के दौरान यह पहनावा महिलाओं की भव्यता, आत्मविश्वास और उत्सव की ऊर्जा को प्रकट करता है। गर्भा और डांडिया नृत्य नवरात्रि के मुख्य आकर्षण हैं, जिनमें महिलाएं रंग-बिरंगे चनिया चोली में सज-धजकर भाग लेती हैं। चकाचौंध और कढ़ाई वाली चनिया चोली न केवल देखने में सुंदर लगती है, बल्कि यह लोककला और शिल्पकला की झलक भी देती है। लाल, पीले, नारंगी और हरे रंग की चनिया चोली नवरात्रि में विशेष रूप से प्रिय मानी जाती है। ये रंग शक्ति, ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक हैं। इसके साथ ही, चनिया चोली के साथ पहने जाने वाले दुपट्टे, गहने और पारंपरिक जूते पूरे लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। माथे पर लगाई जाने वाली बिंदी भी नवरात्रि में खास महत्व रखती है। यह केवल श्रृंगार का हिस्सा नहीं है, बल्कि देवी शक्ति का प्रतीक भी मानी जाती है। बिंदी का रंग, आकार और डिज़ाइन अक्सर चनिया चोली के साथ मेल खाता है, जिससे पूरे पोशाक का लुक संतुलित और भव्य लगता है। आजकल बाजार में बिंदी के कई प्रकार उपलब्ध हैं. साधारण लाल बिंदी, चमकदार स्टोन वाली बिंदी या पारंपरिक गोलाकार और फूल जैसी डिज़ाइन। इन बिंदियों के माध्यम से महिलाओं की सुंदरता और आत्मविश्वास बढ़ता है। नवरात्रि में चनिया चोली और बिंदी का महत्व केवल पहनावे तक सीमित नहीं है। यह पारंपरिक संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक पहचान का प्रतीक भी है। महिलाओं द्वारा नृत्य और सजावट के माध्यम से नवरात्रि की भक्ति और ऊर्जा को महसूस किया जा सकता है। गर्भा मंडलियों में रंग-बिरंगे चनिया चोली और चमकदार बिंदी पहनकर महिलाएं माता दुर्गा के उत्सव को जीवंत बनाती हैं। इस प्रकार, नवरात्रि में चनिया चोली और बिंदी केवल फैशन या सजावट नहीं हैं, बल्कि यह त्योहार के रंग, भक्ति और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। यह पहनावा हर महिला को देवी रूप में प्रकट करता है और पूरे महोत्सव को और भी मनोरम, जीवंत और आकर्षक बनाता है। नवरात्रि में इन पारंपरिक पोशाकों और सजावटों का महत्व समझना और उसे अपनाना हमारी संस्कृति के प्रति सम्मान और भक्ति का प्रतीक है।

नवरात्रि में गरबा: भारतीय सांस्कृतिक उत्सव की रंगीन परंपरा

❑ नवरात्रि हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और धार्मिक पर्व है, जो देवी दुर्गा के नौ रूपों की उपासना के लिए मनाया जाता है। यह उत्सव विशेष रूप से गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य भारत में भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया रास जैसे नृत्य प्रमुख आकर्षण होते हैं, जो न केवल मनोरंजन का साधन हैं बल्कि धार्मिक भावनाओं का भी प्रतीक हैं। गरबा एक पारंपरिक लोकनृत्य है जो गुजरात और आसपास के क्षेत्रों में अत्यंत लोकप्रिय है। इसे दीपों के घेरे में किया जाता है, जो "गरबा" कहलाता है। 'गरबा' शब्द संस्कृत के 'गर्भ' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'गर्भ' या 'आंतरिक जीवन'। यह नृत्य जीवन, ऊर्जा और देवी के प्रति भक्ति का प्रतीक माना जाता है। गरबा मुख्यतः महिलाओं द्वारा किया जाता है, जो रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान चुनरी, चोली और लहंगा में सज-धज कर मंदिरों या खुले मैदानों में इकट्ठा होती हैं। पुरुष भी डांडिया रास के माध्यम से गरबा में शामिल होते हैं, जिसमें लकड़ी की डंडियों की ताल से संगीत और नृत्य की संगति होती है। गरबा न केवल नृत्य का उत्सव है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक मेलजोल का भी अवसर है।

इस दौरान लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर समय बिताते हैं, नए लोगों से परिचय होता है और सामूहिक आनंद का अनुभव होता है। संगीत और ढोलक की ताल पर गरबा का आनंद अनोखा होता है। हर कदम में श्रद्धा और भक्ति की झलक दिखाई देती है। नृत्य के दौरान महिलाएं और पुरुष रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धज कर एक-दूसरे के साथ ताल मिलाकर घूमते हैं, जिससे माहौल अत्यंत जीवंत और आनंदमय हो जाता है। नवरात्रि में गरबा धार्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक दिन देवी दुर्गा के अलग-अलग रूपों को समर्पित होता है, और गरबा का आयोजन इन्हीं रूपों के सम्मान में किया जाता है। पहला दिन शक्तिशाली शैलपुत्री के लिए समर्पित होता है, जबकि अंतिम दिन देवी सिद्धिदात्री के सम्मान में मनाया जाता है। गरबा के माध्यम से भक्त अपनी भक्ति और समर्पण व्यक्त करते हैं। आज के समय में गरबा का उत्सव आधुनिक स्वरूप भी ले चुका है। शहरों में बड़े पंडाल, सजावट, रंगीन रोशनी और संगीत के साथ गरबा महोत्सव आयोजित किए जाते हैं। इसके साथ ही सुरक्षा और अनुशासन का ध्यान रखा जाता है, ताकि सभी लोग आनंदपूर्वक इस परंपरा का अनुभव कर सकें। नवरात्रि का गरबा केवल नृत्य और संगीत का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक भक्ति का जीवंत रूप है। यह पर्व हमें सामाजिक मेलजोल, पारिवारिक संबंध और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश देता है।

नवरात्रि पर अखंड ज्योति क्यों जलाई जाती है

❑ नवरात्रि भारत में बहुत ही धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व वाला पर्व है। यह उत्सव माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए मनाया जाता है। नवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है "नौ रातें" और यह पर्व नारी शक्ति, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। इस दौरान विभिन्न पूजा विधियों के माध्यम से देवी की आराधना की जाती है और घरों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों में विशेष रूप से अखंड ज्योति जलाई जाती है। अखंड ज्योति का अर्थ है निरंतर जलती हुई दीपक या लौ। इसे जलाना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। नवरात्रि के दौरान अखंड ज्योति जलाने के पीछे कई आध्यात्मिक और प्रतीकात्मक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है अंधकार पर प्रकाश की विजय। यह ज्योति अज्ञान, नकारात्मकता और बुराई के अंधकार को दूर करने और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शुद्धि लाने का प्रतीक है। अखंड ज्योति देवी दुर्गा को समर्पित होती है।

देवी दुर्गा शक्ति, साहस, और ज्ञान की देवी हैं। उन्हें प्रसन्न करने के लिए अखंड ज्योति का निरंतर जलना यह दर्शाता है कि भक्त अपनी श्रद्धा और भक्ति में स्थिर हैं। ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति नवरात्रि के दौरान अखंड ज्योति के सामने पूजा करता है, उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं और उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाए तो जलते दीपक की लौ चैतन्य और चेतना का प्रतीक है। यह व्यक्ति के हृदय में उज्ज्वल भावनाएँ, संयम, और सकारात्मक सोच पैदा करती है। साथ ही यह घर में वातावरण को पवित्र और शुद्ध बनाती है। ज्योति की निरंतरता यह सिखाती है कि भक्ति और श्रद्धा में निरंतरता आवश्यक है। नवरात्रि के नौ दिनों तक यह दीपक जलाना भक्त के आत्म-नियंत्रण, तप और साधना की भी पहचान है। कई धार्मिक मान्यताओं में कहा गया है कि नवरात्रि की अखंड ज्योति जलाने से घर में लक्ष्मी का वास होता है और समृद्धि आती है। इसे जलाने का एक अन्य महत्व है समूह और सामाजिक जुड़ाव। यह ज्योति मंदिरों और घरों में सभी को एक साथ जोड़ती है और समाज में एकता, प्रेम और सौहार्द की भावना बढ़ाती है। अखंड ज्योति के जलने का आध्यात्मिक अनुभव इतना प्रभावशाली होता है कि भक्त उसके सामने ध्यान और प्रार्थना में लीन हो जाते हैं। दीपक का प्रकाश न केवल घर को रोशन करता है, बल्कि मन और आत्मा को भी प्रकाशित करता है। नवरात्रि के अंतिम दिन इसे माता के विशेष आशीर्वाद के रूप में बुझाया जाता है, जिससे यह प्रतीक बन जाता है कि भक्ति और श्रद्धा कभी समाप्त नहीं होती। इस प्रकार, नवरात्रि पर अखंड ज्योति जलाना केवल एक धार्मिक प्रथा नहीं, बल्कि यह भक्ति, सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि जीवन में अंधकार चाहे कितना भी हो, प्रकाश और भक्ति से हर कठिनाई पर विजय पाई जा सकती है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

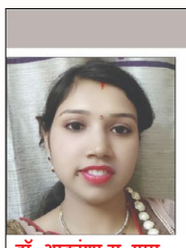

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

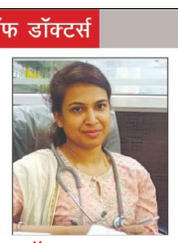

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी शृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

मोटेगांव- काजलसर क्षेत्र में गाय पर बाघ का हमला

> दो दिनों में तीन गायों की मौत

चिमूर.

पिछले दो दिनों में, नेरी के पास मोटेगांव काजलसर वन क्षेत्र में एक धारीदार बाघ ने तीन गायों पर हमला कर मार डाला। जिनमें एक बड़ी दुधारू गाय भी शामिल है। इससे गायपालकों को भारी नुकसान हुआ है। जनता वन विभाग से तुरंत नुकसान भरपाई की मांग कर रही है। पिछले कई दिनों से नेरी मोटेगांव क्षेत्र में बाघों की सक्रियता बढ़ गई है। किसान और नागरिक कह रहे हैं कि मोटेगांव वन क्षेत्र में एक बाघिन के साथ शावक और अन्य तीन-चार बाघ हैं। इसलिए इस क्षेत्र में बाघों का डर बना हुआ है। 21 सितंबर को, मोटेगांव निवासी संजय मोतीराम वाघाड़े की एक दुधारू गाय पर, जब वह कक्ष क्र. 441 में चर रही थी, अचानक एक बाघ ने हमला कर दिया और उसे मौके पर ही मार डाला। काजलसर के कक्ष नं. 38 में चरवाहा रामा मडावी गायों को चराने ले गया, तो एक बड़े धारीदार बाघ ने दो गायों पर हमला कर दिया और दोनों गायों को जान से मार डाला। गायें काजलसर की हैं और इससे गाय मालिकों को भारी नुकसान हुआ है। इस घटना से हर जगह बाघों का डर पैदा हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के नेरी क्षेत्र सहायक अधिकारी तोडासे और काजलसर बिट के वनरक्षक पाटिल मौके पर पहुंचे और मृत गाय का पंचनामा कर वन विभाग को रिपोर्ट सौंपी। क्षेत्र में बाघ के हमलों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। नागरिकों ने मांग की है कि वन विभाग बाघों की देखभाल करे और तुरंत मुआवजा घोषित कर प्रभावित गाय मालिक को दे।

मुर्गों की लड़ाई और जुआ खेलने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

46 दुपहिया और 05 चार पहिया वाहनों सहित कुल 44,26,400/- रुपये का माल जब्त, घटनास्थल से 92 आरोपी गिरफ्तार, सभी पर मामला दर्ज

गढ़चिरोली.

जिले के कुछ ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्रों में अवैध रूप से मुर्गों का बाजार लगाकर उनकी लड़ाई पर दांव लगाने का सिलसिला शुरू था। इस पर अंकुश लाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल ने सभी पुलिस ठाणों को कठोर कार्रवाई के आदेश दिए थे। इसी के तहत 21 सितंबर 2025 को गढ़चिरोली उपविभाग अंतर्गत रेगडी पुलिस थाना क्षेत्र के मौजा गरंजी टोला जंगल परिसर में रैड डाली गई। इस दौरान पुलिस ने मुर्गों की लड़ाई पर जुआ खेलते हुए 92 आरोपियों को गिरफ्तार किया और मौके से 44,26,400/- रुपये का माल जब्त किया। जब्त माल में शामिल है: 1. 46 पुरानी मोटरसाइकिलें (क़ीमत लगभग 16,10,000/- रु.). 2. 05 पुरानी चारपहिया गाड़ियाँ (क़ीमत लगभग 26,00,000/- रु.). 3. 31 मोबाइल फोन (क़ीमत लगभग 1,70,000/- रु.). 4. 14 मुर्गे (क़ीमत लगभग 3,200/- रु.). 5. 05 लोहे की काती (क़ीमत लगभग 250/- रु.). 6. नगद 42,950/- रु., इस प्रकार कुल 44,26,400/- रुपये का माल पंचों की मौजूदगी में जब्त किया गया। मामले में रेगडी पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 26/2025 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 12(ब) महाराष्ट्र जुआ अधिनियम तथा धारा 11(फ)(न) प्राणी क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जाँच पो.उ.नि. कुणाल इंगळे कर रहे हैं।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) श्री एम. रमेश व अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) श्री गोकुल राज जी. के मार्गदर्शन में, सहायक पुलिस अधीक्षक धानोरा श्री अनिकेत हिरडे के नेतृत्व में की गई। विशेष अभियान पथक के सपोनि. विश्वास बागल, पो.उ.नि. ज्ञानेश्वर धुमाळ, पो.उ.नि. देवाजी कोवासे व अन्य जवान इस कार्रवाई में शामिल रहे।

तपोभूमि गोंदेडा का वन उद्यान बन गया बंजर भूमि

> संयुक्त वन प्रबंधन समिति को हस्तांतरित होते ही उद्यान की स्थिति हो गयी दयनीय

चिमूर. सामाजिक वनिकरण विभाग ने पूज्य राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज की चरण-स्पर्श से पावन हुई तपोभूमि गोंदेडा में स्वर्गीय उत्तमराव पाटिल वन उद्यान का निर्माण किया। इस विभाग ने उद्यान में विभिन्न प्रकार के वृक्ष, सड़कें, वृक्ष पथ, विद्यार्थियों के लिए खेल सामग्री, व्यायाम सामग्री, बैठने के पथ, फाइबर से बने बाघ, भालू, बंदर, मोर, हिरण, नीलगाय, हाथी और जंगली सूअर के साथ-साथ पक्षी भी दिखावे के लिये रखे गये हैं। पानी की व्यवस्था के लिए दो-दो हजार लीटर की दो टंकियाँ लगाई गई। तीन फुट ऊँचा लोहे का मचान बनाया। पानी की सुविधा के लिए उमा नदी से उद्यान तक पाइप लाइन जोड़ी गई है। ये सभी कार्य सामाजिक वनिकरण विभाग द्वारा किए गए हैं। सामाजिक वानिकी विभाग ने इसे 2022 और 2023 के बीच संयुक्त वन प्रबंधन समिति को हस्तांतरित कर दिया। उसके बाद, एक दिन समिति को इस पार्क में बाघ दिखाई दिया। तभी से पार्क को बंद कर दिया गया है। हर साल पौष माह में गोंदेडा गुंफा यात्रा महोत्सव आयोजित किया जाता है, जहाँ हजारों की संख्या मे श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। साथ ही, वन पार्क में भ्रमण के लिए आते है। लेकीन गेट पर ताला लगा हुआ दिखाई देता है। जिससे कई पर्यटक और श्रद्धालु नाराज होकर वापस लौट रहे हैं। वन पार्क के माध्यम से क्षेत्र के पशु-पक्षियों और पक्षियों का संरक्षण। पर्यावरण संरक्षण और छात्रों व आम जनता को प्रकृति के बारे में जानकारी मिलती है। छात्रों, युवाओं और बुजुर्गों को भ्रमण का अवसर मिलता है। सूचना पट्ट पर पशु-पक्षियों और पौधों के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध है। संयुक्त वन प्रबंधन समिति को पार्क की देखभाल करनी चाहिए और पार्क को आम जनता के लिए खोलना चाहिए।

महिला को लाठी से पीटने वाले आरोपियों को न्यायालय ने सुनाई सश्रम कारावास और जुर्माने की सज़ा

प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी, धानोरा श्रीमती एन. ए. पठाण का ऐतिहासिक फैसला

गढ़चिरोली. धानोरा तहसील के सिंदेसुर गाव में एक महिला को बाँस की लाठी से मारपीट कर अपमानित करने के मामले में पाँच आरोपियों को अदालत ने सश्रम कारावास व जुमने की सज़ा सुनाई है। प्रकरण का विवरण इस प्रकार है. 12 मार्च 2020 की सुबह लगभग 11 बजे पीड़िता सौ. दुलोबाई फत्तेसिंग धुर्वा को गाँव के आरोपी 1) लीलाबाई बिसाऊ गोटा, 2) सोबराज अलीयारसिंग मडावी, 3) कोलीबाई सोबराज मडावी, 4) लालतीबाई धनीराम गावड़े और 5) रगोतीबाई सोबराज मडावी ने बिजली के खंभे से बाँधकर उसके कपड़े फाड़ दिए और बाँस की लाठी से मारपीट की। इस संबंध में 13 मार्च 2020 को मुरमगाँव पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। जाँच मपोउपनि. अंजली मेवासिंग राजपूत ने की और ठोस सबूत इकट्ठा कर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद सेशन केस क्र. 06/2020 के तहत सुनवाई शुरू हुई। गवाहों के बयान, चिकित्सीय प्रमाण और सरकारी पक्ष के तर्कों को मान्य मानते हुए मा. प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती एन. ए. पठाण ने दिनांक 19 सितंबर 2025 को सभी पाँचों आरोपियों को धारा 354, 354(ब), 341, 324, 34 भा.दं.वि. के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने उन्हें एक वर्ष सश्रम कारावास, एक वर्ष साधारण कारावास तथा दो माह साधारण कारावास की सज़ा सुनाई। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 15,000 रुपये का जुर्माना, अर्थात कुल 75,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि सभी आरोपी यह सज़ा एक साथ भुगतेंगे। इस मामले में सरकार की ओर से जिलाधिकारी सरकारी वकील श्री बी. के. खोब्रागड़े ने पक्ष रखा। जाँच मपोउपनि. अंजली मेवासिंग राजपूत (पोस्टे धानोरा) ने की। वहीं कोर्ट पैरवी अधिकारी के रूप में पो.उ.नि. सलामे और अन्य कर्मचारियों ने गवाहों से समन्वय कर प्रकरण को सफलतापूर्वक न्यायालय तक पहुँचाया।

शंकरपुर की प्रसिद्ध महारानी माता दुर्गा विराजमान

> हजारों भक्त श्रद्धापूर्वक करते है दर्शन

चिमूर. 22 सितंबर, 2025 को शंकरपुर की महारानी दुर्गा रानी शंकरपुर के वार्ड क्रमांक 5 में विराजमान हुई हैं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माता रानी दुर्गा मंडल अपनी ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए है। भारतीय संस्कृति मातृसत्तात्मक व्यवस्था पर आधारित है। इस ऐतिहासिक शक्ति का हृदय में स्थायी स्थान है। इसके लिए अनेक लोगों ने प्रयास किए हैं। इसी मातृशक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से जय माँ दुर्गा महिला मंडल माता दुर्गा महोत्सव पिछले 31 वर्षों से शंकरपुर के वार्ड क्रमांक 5 क्षेत्र में, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करता आ रहा है। गौरतलब है कि पिछले 31 वर्षों से, संताजी वार्ड नं. शंकरपुर में 9 घरों की सभी साधारण महिलाएं, जो दैनिक मजदूरी के रूप में काम करती हैं, पिछले 9 दिनों से बिना किसी भेदभाव के जनजागरण, भजन, गीत, गायन, डांडिया, गरबा और सामाजिक मुद्दों पर विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही हैं। नौ वें दिन, हजारों भक्त गोपाल काला और महाप्रसाद का लाभ उठाते हैं। लेकिन अभितक, इस नौ महिलाओं के समूह को कभी कोई समस्या नहीं हुई। पिछले 31 वर्षों से आज तक, इस समूह ने कभी भी सदस्यता पुस्तिका नहीं छापी है। इन्होने किसी को भी सदस्यता लेने के लिए मजबूर नहीं किया है। जो देवी के समक्ष दान करते हैं और हजारों भक्तों को स्वयं भोजन कराते हैं।

गडबोरी में तेंदुए को पकड़ने में वन विभाग को मिली सफलता

> बस्ती से 8 वर्षीय बालक को उठाकर ले गया था तेंदुआ

चंद्रपूर / चिमूर.

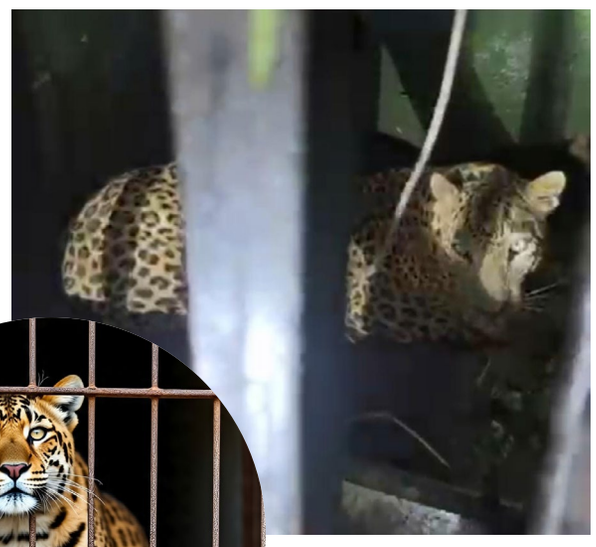

सिंदेवाही तहसिल के गडबोरी गांव में, गुरुवार की रात को गाँव के ही 8 वर्षीय प्रशिल बबन मानकर नामक बालक को घर के आंगन से तेंदुआ उठाकर ले जाने की घटना सामने आयी थी। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ रही है। लोगों में गहरी दहशत और आक्रोश की स्थिति निर्माण हो गयी। जिस कारण शव मिलने के बाद भी गांव में दोपहर तक तनाव की स्थिति निर्माण हो गई थी। इस वजह से पुलिस विभाग को विशेष दंगा निरोधक पथक बुलाकर पुरे गांव को छावनी के स्वरूप में बदलना पड़ा था। इस घटना के बाद वन विभाग पूरी तरह से हरकत में आ गया और जगह-जगह पर ट्रैप कैमरे और पिंजरे लगाए गए। उसी के चलते 21 सितंबर की रात 11:45 को दौरान एक तेंदुआ पिंजरे में आने से उसे पकड़ने में सफलता हासिल हुई। ग्रामीणों द्वारा सावधानियों को बरतणे की जरूरत: परिसर में इसी तरह और कोई दुर्घटना ना घटे इसके लिए वन विभाग पूरी तरह से सतर्क मे है। ग्राम पंचायत, वन समिति और ग्राम निवासियों द्वारा अपने परिवार के बच्चों और गांव की जिम्मेदारी लेते हुए गांव के लोगों की सुरक्षा हेतु, वन विभाग और प्रशासन को साथ देकर श्रमदान करके जब तक संपूर्ण गांव परिसर में स्थित झाड़ियों के जंगल को साफ नहीं किया जाता तब तक गांव के लोगों पर जंगली जानवरों के हमले की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। एक तेंदुए को पकड़े जाने की वजह से लोगों को थोड़ी राहत तो मिली है। फिर भी वन विभाग की संपूर्ण टीम गांव में दिन-रात गस्त लगाकर, कोई अनहोनी ना हो इसके लिये बाकी परिसर के तेंदुओं को भी पकड़ने की कोशिश युद्ध स्तर पर वन विभाग द्वारा की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी डॉ. कुमारस्वामी उपवनसंरक्षक ब्रम्हपुरी के मार्गदर्शन और आदेश पर डॉ.महेश गायकवाड सहाय्यक वनसंरक्षक इनके नेतृत्व मे सिंदेवाही वन परिक्षेत्र अधिकारी अंजली सायंकार / बोरावार, राकेश आहुजा इनके मार्गदर्शन में यह कार्यवाही वनरक्षक श्रीकृष्ण नागरे और बाकी वन परिक्षेत्र के वन कर्मियों द्वारा की गई। पकडे गये तेंदुए को नागपूर स्थित गोरेवाडा रेस्क्यू सेंटर भेजा गया। ऐसी जानकारी मिली है।

25 करोड़ का क्लाइमेक्स

इस मूवी के एक सीन ने तोड़ा बजट के सारे रिकॉर्ड!

बालीवुड हो या हॉलीवुड फिल्मों को बनाने में डायरेक्टर करोड़ों खर्च करते हैं। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिसके एक सीन के लिए डायरेक्टर ने इतनी मोटी रकम लगाई, जितना शायद एक फिल्म का बजट होता है। आज हम आपको ऐसी ही फिल्मों फिल्मों के सबसे महंगे सीन के बारे में बताने जा रहे हैं।

रोबोट 2.0

रजनीकांत की फिल्म 'रोबोट 2.0' साल 2018 में रिलीज हुई थी। शंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म के 2 मिनट का क्लाइमेक्स सीन 75 करोड़ रुपये में बनाया गया था। इसमें एक बड़े ड्रोन फाइट सीक्वेंस और हजारों सीजीआई परतों का इस्तेमाल किया गया था। इस फिल्म का बजट लगभग 543 करोड़ रुपये था।

सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी की साल 2024 में आई 'सिंघम अगेन' का क्लाइमेक्स सबसे ज्यादा पसंद किया गया। लेकिन क्या आप जानते हैं इसके क्लाइमेक्स सीन को शूट करने में 25 करोड़ रुपये की लागत लगी थी। ये अब तक का सबसे महंगा भारतीय फिल्म सीन है।

बाहुबली 2: द कन्क्लूजन

एसएस राजामौली की साल 2017 में रिलीज हुई 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' ने इतिहास रच दिया था। इस फिल्म का क्लाइमेक्स सीन भी एक बहुत महंगा और भव्य दृश्य था, जिसमें लगभग 4 महीने लगे और 2000 से अधिक लोगों ने काम किया। इसके क्लाइमेक्स में 30 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। फिल्म का कुल बजट लगभग 250 करोड़ रुपये था।

एवेंजर्स: एंडगेम

साल 2019 में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म 'अवेंजर्स: एंडगेम' भी इसी लिस्ट में शामिल है। इस मूवी के अंतिम युद्ध के सीन पर 60 मिलियन डॉलर (लगभग 528 करोड़ रुपये) का खर्च आया। इसका बजट करीब 356-400 मिलियन डॉलर था।

टाइटैनिक

टाइटैनिक साल 1997 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को काफी पसंद किया गया था। 'टाइटैनिक' में जहाज के डूबने वाले सीन को 141 मिलियन डॉलर (लगभग 1242 करोड़ रुपये) की लागत से बनाया गया था।

मशहूर एक्ट्रेस की खास बात

बॉलीवुड में ऐसे कई स्टार्स हैं, जो फैंस के बीच अपने कुंवारेपन को लेकर भी सुर्खियां बटोरते रहते हैं. इनमें कई एक्टर्स के साथ ही कई एक्ट्रेसेस भी शामिल हैं. बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा सुष्मिता सेन भी इसी लिस्ट में शामिल हैं. सुष्मिता सेन जल्द ही 50 साल की होने वाली हैं. हालांकि उन्होंने अब तक शादी नहीं की है. जबकि एक्ट्रेस के कई अफेयर रहे हैं. हालांकि उनका कोई भी रिश्ता शादी के मंडप तक नहीं पहुंच पाया. सुष्मिता सेन चाहे अब तक कुंवारी हैं. लेकिन, उन्होंने अपने एक इंटरव्यू के दौरान शादी के प्लान पर खुलकर बात की थी और एक्ट्रेस ने कहा था कि वो भी शादी करना चाहती हैं. हालांकि एक्ट्रेस सही पार्टनर की तलाश में हैं. आइए जानते हैं कि सुष्मिता ने अपने वेडिंग प्लान को लेकर और क्या कुछ कहा था? सुष्मिता ने एक बातचीत के दौरान अपने दिल की बात बताते हुए कहा था, "मैं भी शादी करना चाहती हूं. मिलना चाहिए ना कोई शादी करने लायक. ऐसे थोड़ी होती है शादी. कहते हैं ना, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है. दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न. शादी भी कर लेंगे. 49 वर्षीय सुष्मिता ने खुद से उम्र में 15 साल छोटे रोहमन शॉल के साथ रिश्ते से खूब सुर्खियां बटोरी थीं. बताया जाता है कि दोनों ने एक दूसरे को 3 साल तक डेट किया था. वहीं सुष्मिता का अफेयर ललित मोदी के साथ भी रहा था. दोनों की वेकेशन की तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं. हालांकि बाद में ललित से भी एक्ट्रेस का ब्रेकअप हो गया था.

इससे पहले सुष्मिता का नाम रणदीप हुड्डा, संजय नारंग, इम्तियाज खत्री, विक्रम भट्ट आदि के साथ भी जुड़ा था. सुष्मिता सेन ने साल 1994 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था. जबकि साल 1996 में फिल्म 'दस्तक' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था.

'मैंने प्यार क्यों किया', 'मैं हूं ना' जैसी फिल्मों की इस

एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार उन्हें वेब सीरीज 'आर्या' के तीसरे सीजन में देखा गया था. इसमें उनकी एक्टिंग की खूब तारीफें हुई थी.

कुमार सानू की एक्स-वाइफ ने लगाए गंभीर आरोप

कुमार सानू की पर्सनल लाइफ बीते कुछ वक्त से चर्चा में है। उनके साथ रिलेशनशिप में रह चुकी कुनिका सदानंद बिग बॉस में हैं। अब कुमार सानू की एक्स वाइफ रीटा भट्टाचार्य ने उनके बारे में काफी शॉकिंग बातें बताई हैं। रीटा का कहना है कि ससुरवाले उन्हें टॉर्चर करते थे। उनको बाहर निकलना भी मना था। कुमार सानू को फेमस बनने में उन्होंने मदद की और वह आशिकी से फेम पाते ही बदलने लगे।

फिल्म विंडो से बातचीत में रीटाबोलीं, 'वह महान सिंगर हैं, लेकिन इंसान के तौर पर उनके बारे में जितनी कम बात की जाए उतना अच्छा है। वह कभी भी महत्वाकांक्षी नहीं थे। मेरा सपना था कि वह सिंगर बनें, मैंने उनको जोर दिया था। मैंने कुमार सानू को कुमार सानू बनने में मदद की।' रीटा ने कहा कि कुमार सानू जरा भी मेहनती नहीं थे। 1 परसेंट उनका सिंगिंग टैलेंट था और 99 परसेंट उन्होंने कुमार सानू को मोटिवेट किया।

रीटा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया। बोलीं, 'हम जब मुंबई आए तो ना हमारे पास पैसा था न ही गाड़ी वगैरह। एकदम जीरो था। उस वक्त वह लुंगी पहनते थे। वह हर समय झूठ बोलते हैं कि उनके परिवार के लोगों ने उन्हें मुंबई भेजा। अगर वह जवाब नहीं देना चाहते तो इस बात का जवाब ना दें, झूठ क्यों बोलना? पूरे दिन झूठ बोलते रहते हैं। इसलिए मेरे तीनों बच्चों ने कहा कि बहुत हो गया, अब आपको बोलना चाहिए। मैं उन्हें बॉम्बे में जबरदस्ती करके स्ट्रगल करने को बोलती थी। हम फर्श पर बिना पंखे के सोते थे।' रीटा ने बताया कि वे लोग जमीन पर सोते थे, बिस्तर में पानी डालकर सोते थे ताकि गर्मी ना लगे।

जीएसटी का मनोरंजन पर कितना असर पड़ेगा?

22 सितंबर 2025 से देशभर में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) की नई दरें लागू हो गई हैं. केंद्र सरकार ने इस बार जीएसटी की दरों को 4 स्लैब से घटाकर 2 कर दिया है, जिससे 5% और 18% की दो मुख्य दरें प्रभावी हो गई हैं. इस बदलाव का असर कई सेक्टर्स पर दिख रहा है, लेकिन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए ये नो प्रॉफिट-नो लॉस वाला एक मिला-जुला फैसला साबित हो सकता है. एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की बात करें तो जहां एक तरफ कुछ चीजों पर टैक्स कम हुआ है, वहीं कुछ सेगमेंट्स में पुरानी दरें ही बनी हुई हैं. तो आइए जानते हैं जीएसटी को लेकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लोगों की क्या राय है.

गदर 1 और गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा,इस फैसले का निश्चित तौर पर स्वागत होना चाहिए. क्योंकि फिल्म बनाने में सैकड़ों चीजों की जरूरत होती है और जीएसटी कम होने से अब कैश फ्लो की दिक्कत कम होगी और ये इंडस्ट्री के लिए एक बहुत बड़ा सहारा है.

टीवी ब्रॉडकास्टिंग, डीटीएच और केबल सेवाओं पर अभी भी 18% जीएसटी ही लागू है. ब्रॉडकास्टर्स ने भी जीएसटी दरों को घटाकर 5% करने की मांग की थी, लेकिन इस पर उन्हें कोई राहत नहीं दी गई है. यानी टीवी देखने के लिए आपको पहले की तरह ही भुगतान करना होगा. हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सब्सक्रिप्शन भी 18% जीएसटी के दायरे में आता है, इसलिए इस पर भी दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

कलाकार और इवेंट आयोजकों के लिए भी जीएसटी में कोई बदलाव नहीं हुआ है. कलाकारों की सेवाओं और इवेंट मैनेजमेंट पर 18% जीएसटी लगता है. हालांकि, लोक कला (फोक डांस) या शास्त्रीय कलाओं से जुड़े कलाकारों को अगर किसी शो के लिए 1.5 लाख रुपये तक का भुगतान होता है, तो उनकी सेवाओं को जीएसटी से छूट मिली हुई है.

अक्षय-अरशद की जोड़ी ने 3 दिन में किया कमाल!

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म जॉली एलएलबी 3 का जलवा हर तरफ देखने को मिल रहा है. फिल्म के फर्स्ट वीकेंड की कमाई के आंकड़े आ गए हैं. इस फिल्म का दबदबा बॉक्स ऑफिस पर बना हुआ है और फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं. इस फिल्म ने रिलीज के साथ ही अधिकतर फिल्मों के कलेक्शन का गेम ही बिगाड़ दिया है. फिल्म का कलेक्शन ताबड़तोड़ जा रहा है. आइए जानते हैं कि फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में कितनी कमाई की है और इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन कितना पहुंच गया है.

भारत में ओपनिंग डे पर जॉली एलएलबी 3 ने 12.5 करोड़ रुपए कमाए थे. इसके बाद से इस फिल्म की कमाई लगातार बढ़ती ही नजर आई है. फिल्म ने दूसरे दिन भारत में 20 करोड़ कमाए और रविवार के दिन भी फिल्म की कमाई में मामुली इजाफा देखने को मिला. तीसरे दिन फिल्म ने 21 करोड़ कमाए. इस लिहाज से देखा जाए तो फिल्म ने भारत में तीन दिनों में 53.50 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. इस कमाई को काफी अच्छा कहा जाएगा. वहीं फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 64 करोड़ रुपए का हो गया है.

फिल्म को भारत में तो पसंद किया ही जा रहा है लेकिन विदेशों में भी इस फिल्म की धूम देखने को मिल रही है.

रिपोर्ट्स की मानें तो 3 दिनों में इस फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन 16 करोड़ रुपए का रहा है जिसे बुरा नहीं कहा जाएगा. आने वाले समय में भी फिल्म को अच्छे वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिल सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने 3 दिनों में कुल 80 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 75 करोड़ का बताया जा रहा है. अगर इस लिहाज से देखा जाए तो फिल्म ने अपने फर्स्ट वीकेंड में ही बजट वसूल लिया है. लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में ये भी सामने आ रहा है कि फिल्म का बजट 120 करोड़ रुपए का है. अगर ऐसा होता है तो फिर अभी फिल्म को अपना बजट वसूलने में 40 करोड़ रुपए की और जरूरत है. उम्मीद तो यही है कि दूसरा वीकेंड आते-आते ये फिल्म इस पड़ाव को भी पार कर देगी और मुनाफे की ओर अपने कदम आगे बढ़ाएगी.

कांतारा चैप्टर 1 में ऋतिक

इस साल कई सारी बड़ी फिल्मों ने सोशल मीडिया पर दस्तक दिया है और आने वाले वक्त में कई सारी पिक्चरें सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. इन्हीं में से एक दर्शकों की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1□ है, जिसको लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट है. आज यानी 22 सितंबर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. हालांकि, फिल्म के ट्रेलर को बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसको लेकर लोग सवाल कर रहे हैं.

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' का हिंदी ट्रेलर सामने आ चुका है, लोग इसकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं. 2 अक्टूबर को ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी. हालांकि, फिल्म के ट्रेलर के आने की एक्साइटमेंट के बीच लोगों का एक सवाल सामने आ रहा है. दरअसल, ऋषभ शेट्टी की इस अपकमिंग फिल्म को बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसके बाद लोग ये अंदाजा लगा रहे हैं कि ऋतिक भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं.

ऋतिक के अलावा तेलुगु भाषा में फिल्म को प्रभास ने, तमिल में शिवकार्तिकेयन और मलयालम में पृथ्वीराज सुकुमारन ने लॉन्च किया है. 'कांतारा' के पहले पार्ट की बात करें, तो उस फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था. फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही साथ ऋषभ ने फिल्म का डायरेक्शन भी किया है.हालांकि, पोस्ट के कमेंट में कुछ लोगों का दावा है कि उन्होंने ट्रेलर में ऋतिक की झलक देखी है. वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर ने सवाल उठाते हुए.

मीना कुमारी ने खुद को लेकर फैलाई थी ये अफवाह

बॉलीवुड एक्ट्रेस मीना कुमारी को ट्रेजेडी क्वीन के नाम से जाना जाता है। ऐसा भी कहा जाता है कि कमाल अमरोही से शादी के बाद उनपर अत्याचार हुए। पति कमाल ने उनपर जुल्म किए। लेकिन मीना की डेथ के बाद कमाल अमरोही ने 1985 में सिने ब्लिट्स को दिए एक इंटरव्यू में मीना से अपने रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने मीना की वो छवि दुनिया को दिखाई थी जिसे कोई जानता था।

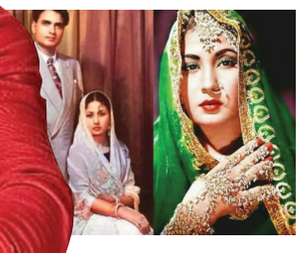

कमाल अमरोही ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि मीना खुद को दुख में देखकर अच्छा महसूस करती थीं। उन्होंने कहा कि फिल्मों में निभाए उनके दुख भरे किरदार इतने असरदार होते थे लोग उनके असली जीवन को भी वैसे ही देखते थे। खुद मीना अपने इन्हीं किरदारों की तरह जिंदगी दुख में जीती थीं। वो डायरी लिखती थीं जिसमें सिर्फ दुख और तकलीफ की बातें होती थीं। कमाल ने अपने उस इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने मीना कुमारी से 15 फरवरी 1952 को शादी की। शादी के कुछ समय बाद से ही दोनों के बीच विवाद शुरू हो गए थे। उसकी एक वजह मीना की सफलता थी। उन्हें ट्रेजेडी क्वीन कहा जाने लगा था।कमाल ने कहा था कि उन्हें हमेशा से लगता था कि मीना कुमारी कभी मां नहीं बन सकती। लेकिन उन्हें एक्ट्रेस की गायनोलॉजिस्ट ने बताया था कि मीना ने दो बार बच्चों का अबॉर्शन करवा चुकी हैं। उन्हें इस बात की बहुत तकलीफ हुई थी।

कमाल ने कहा कि मीना ने दुनिया में जानबूझकर अपने मां ना बन पाने की बात फैलाई ताकि उन्हें लोगों की दया मिल सके। वो एक बड़ी हीरोइन होने की वजह से बच्चे को बोझ समझती थीं। कमाल ने कहा कि मीना को उस समय की टॉप की हीरोइन होने का घमंड होने लगा था। वो पति को सिर्फ सामान उठाने वाला समझती थीं। एक बार फिल्मफेयर अवार्ड में एक्ट्रेस ने अपना पर्स कमाल को पकड़ा दिया था। ये बात उन्हें बुरी लगी थी।

रणबीर कपूर की भतीजी ने मचाई धूम

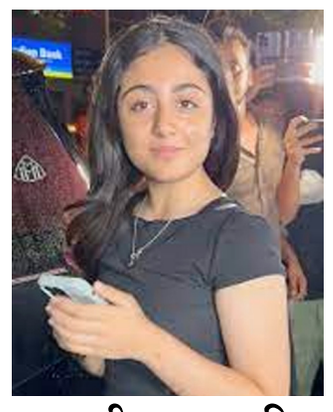

फराह खान के कुकिंग व्लॉग का नया एपिसोड इस बार नीतू कपूर और दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के घर से आया। रिद्धिमा ने फराह के साथ-साथ उनके कुक दीलिप का भी बेहद गर्मजोशी और भव्य तरीके से स्वागत किया। एपिसोड के अंत में रिद्धिमा की बेटी समायरा साहनी भी नजर आईं, जिन्होंने अपनी बातों से फराह को चौंका दिया।

खाना बनाने के बाद फराह ने कहा, "कपूर और साहनी खानदान की स्टार...।" इतना कहते ही समायरा अपने कमरे से बाहर आ गईं। फराह ने उनसे पूछा कि उनकी पसंदीदा एक्ट्रेस और एक्टर कौन हैं? समायरा ने तुरंत जवाब दिया—"मेरे नानू (ऋषि कपूर) और मामू (रणबीर कपूर)।" इसके बाद समायरा ने कैमरे की तरफ इशारा करते हुए कहा, "क्या मैं देख सकती हूं कि मैं कैमरे में कैसी लग रही हूं?"

रीमा लागू की बेटी ने 'थप्पड़' और 'स्कूप' से बनाई पहचान

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रीमा लागू की बेटी को जानते हैं आप? उनका नाम मृण्मयी लागू है और वह अपना अलग मुकाम बना रही हैं। मृण्मयी बॉलीवुड की सक्सेसफुल स्क्रीनराइटर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने अनुभव सिन्हा की फिल्म 'थप्पड़' और हंसल मेहता की वेब सीरीज 'स्कूप' लिखकर इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बनाई।मृण्मयी, जिन्हें घर में प्यार से सानू कहा जाता है, रीमा लागू और मराठी एक्टर विवेक लागू की बेटी हैं। शुरू में उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। फिर एक वक्त आया जब उन्होंने एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमाई। हालांकि, जब उन्होंने अपनी मां से पूछा कि वो इतने सालों तक एक ही रोल कैसे करती हैं? तो रीमा लागू ने साफ कहा, "अगर तुम ये सवाल पूछ रही हो, तो शायद एक्टिंग तुम्हारे लिए नहीं है।" यही बात मृण्मयी के करियर का टर्निंग प्वॉइंट बनी और उन्होंने एक्टिंग छोड़कर लिखने का रास्ता चुन लिया।मृण्मयी ने साल 2014 में असिस्टेंट डायरेक्टर विनय वायकुल से शादी की। उनके पति भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं। 18 मई 2017 को रीमा लागू का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। उस वक्त मृण्मयी ने कहा था कि उन्हें कभी अंदाज़ा नहीं था कि मां इतनी जल्दी चली जाएंगी। मृण्मयी का सबसे बड़ा अफसोस यही है कि उनकी मां उन्हें एक सफल राइटर के रूप में नहीं देख पाईं।'थप्पड़' और 'स्कूप' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा मृण्मयी अपनी कंपनी ओलेट फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए बतौर राइटर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर काम कर रही हैं।

भारत का पाकिस्तान पर दबदबा बरकरार

क्रिकेट के बाद फुटबॉल में भी भारत ने दी करारी शिकस्त

कोलंबो. भारत और पाकिस्तान के बीच खेलों के मैदान में एक बार फिर वही नतीजा देखने को मिला, जो बीते कुछ समय से लगातार नजर आ रहा है — भारत की जीत और पाकिस्तान की हार। एशिया कप 2025 में क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तान को दो बार धूल चटाने के बाद अब भारत ने फुटबॉल के मैदान में भी पड़ोसी देश की 'हेकड़ी' निकाल दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 के सुपर-4 स्टेज में 21 सितंबर को दुबई में मुकाबला हुआ था, जिसमें भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। इससे पहले ग्रुप स्टेज में भी भारत ने पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी ने अंपायरिंग को लेकर आईसीसी में शिकायत भी की है, जिससे पता चलता है कि हार कितनी भारी रही। क्रिकेट के मैदान में शिकस्त के 17 घंटे बाद ही पाकिस्तान को अंडर-17 फुटबॉल मुकाबले में भी भारत से करारी हार झेलनी पड़ी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (एसएएफएफ) U-17 चैंपियनशिप 2025 के ग्रुप मैच में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराकर ग्रुप में टॉप पोजिशन हासिल कर ली। दिलचस्प बात यह है कि क्रिकेट और फुटबॉल—दोनों टूर्नामेंट्स में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया था। और दोनों ही बार भारत ने जीत दर्ज कर यह साबित कर दिया कि चाहे मैदान कोई भी हो, दबदबा उसी का रहेगा।

टीम इंडिया के आगे नहीं टिका पाकिस्तान

ग्रुप बी के इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 3-2 से हरा दिया और अपने ग्रुप में सभी 3 मैच जीतकर पहला स्थान हासिल किया. टीम इंडिया ने ही इस मैच में स्कोरिंग की शुरुआत की और 31वें मिनट में डलालमुओं गंगटे ने गोल करते हुए 1-0 की बढ़त दिलाई. हालांकि कुछ ही देर में पाकिस्तान ने बराबरी कर ली, जब 43वें मिनट में मुहम्मद अब्दुल्ला ने पेनल्टी पर गोल किया. दूसरे हाफ में भी टीम इंडिया ने फिर बढ़त ली और 63वें मिनट में गुनलीबा वांगखेराकपम ने गोल करते हुए 2-1 की बढ़त दिला दी. मगर पाकिस्तान ने इस बार भी वापसी की और 70वें मिनट में ही हमजा यासिर ने टीम के लिए दूसरा गोल किया.हालांकि पाकिस्तान की ये राहत ज्यादा देर तक नहीं टिकी और 3 मिनट बाद ही भारतीय टीम ने मैच में तीसरी बार बढ़त ली. इस बार 73वें मिनट में रेहान अहमद ने गोल किया और स्कोर को 3-2 कर दिया. मगर इसके बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान को बराबरी का कोई मौका नहीं दिया और पूरे 90 मिनट का खेल होने तक यही स्कोरलाइन रही. इस तरह टीम इंडिया ने अपने ग्रुप में तीनों मैच जीत लिए.

अब सेमीफाइनल में उतरेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी, जबकि पाकिस्तान ने भी इस हार के बावजूद सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया था. अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना नेपाल से होगा, जबकि पाकिस्तान की टक्कर बांग्लादेश से होगी. भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा 6 बार ये चैंपियनशिप जीती है, जबकि पाकिस्तान ने एक बार ही ये खिताब जीता है. टीम इंडिया ही पिछले साल की चैंपियन भी थी और अब सातवीं बार ये खिताब जीतने के करीब है.

दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव संभव

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया की ए टीम इस समय भारत के दौरे पर है. वह भारत की ए टीम के खिलाफ दो अनऑफिशियल टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है. सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था. वहीं, दूसरा मुकाबला 23 सितंबर से लखनऊ के भारतरत्नअटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है. भारतीय टीम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है.

दूसरे मुकाबले के लिए बदलेगा भारतीय कप्तान?

ऑस्ट्रेलिया की ए टीम के खिलाफ इस सीरीज में भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है. लेकिन दूसरे मैच में वह टीम का हिस्सा नहीं होंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ए टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं. उन्होंने कुछ आराम करने के लिए ब्रेक लिया है और मुंबई लौट चुके हैं. उन्होंने सेलेक्टर्स को अपनी अनुपलब्धता की जानकारी दे दी गई है, लेकिन वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की आगामी सीरीज के लिए दावेदार बने रहेंगे, जो 2 अक्टूबर से शुरू होगी. इस सीरीज का पहला मैच भी लखनऊ में खेला गया था, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ था. अय्यर ने उस मैच में पहली पारी में सिर्फ 8 रन ही बनाए थे. वहीं, अय्यर की गैरमौजूदगी में टीम की कमान ध्रुव जुरेल के हाथों में होगी, जो पहले मैच में उपकप्तान थे. जुरेल ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया है और यह जिम्मेदारी उनके लिए बड़ा मौका होगा. वहीं, श्रेयस अय्यर की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा.

इन खिलाड़ियों की होगी एंट्री

केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा. इस मुकाबले में मोहम्मद सिराज को खलील अहमद की जगह मौका मिल सकता है. वहीं, ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर रह सकते हैं. वह सीरीज का पहला मैच नहीं खेल पाए थे.

वनडे से संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ी की वापसी

नई दिल्ली. साउथ अफ्रीका क्रिकेट से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है. 2 साल पहले वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने वाले एक स्टार खिलाड़ी ने यू टर्न ले लिया है. यानी इस खिलाड़ी ने अपना संन्यास वापस ले लिया है. वह एक बार फिर वनडे क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है. वह अगले महीने पाकिस्तान दौरे पर टीम का हिस्सा भी होगा. इस खिलाड़ी ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है.साउथ अफ्रीका के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने वनडे से संन्यास वापस ले लिया है. ओडीआई क्रिकेट से 2023 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले चुके डी कॉक एक बार फिर खेलते हुए नजर आने वाले हैं. ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड (सीएसए) ने पाकिस्तान दौरे के लिए वनडे और टी20 टीम में क्विंटन डी कॉक का नाम शामिल किया है, जो सभी के लिए एक बड़ा सरप्राइज है.साउथ अफ्रीका के हेड कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, 'क्विंटन की सफेद गेंद वाली टीम में वापसी हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है.

टेस्ट सीरीज से बाहर हुए ऋषभ पंत

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का दमदार प्रदर्शन लगातार जारी है और वो खिताब की ओर बढ़ती दिख रही है. इस टूर्नामेंट के बाद टीम इंडिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार है. इस सीरीज के शुरू होने का इंतजार तो कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा लेकिन टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत को फिर से मैदान में देखने के लिए हर किसी को कुछ वक्त और रुकना पड़ेगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंत इस टेस्ट सीरीज के लिए सेलेक्शन की रेस से बाहर हो चुके हैं क्योंकि वो अपनी चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 अक्टूबर से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के लिए पंत को नहीं चुना जाएगा. दो टेस्ट मैच की इस सीरीज के लिए अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली सेलेक्शन कमेटी 24 सितंबर को टीम का चयन करेगी लेकिन इसमें पंत को जगह नहीं मिल पाएगी. पंत अभी तक पैर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और इसक चलते वो इस सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे. रिपोर्ट में बताया गया है कि पंत अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रोसेस से गुजर रहे हैं. अभी तक बीसीसीआई की मेडिकल टीम से उन्हें फिटनेस को लेकर हरी झंडी नहीं मिली है. यही कारण है कि वो अभी तक बैटिंग और विकेटकीपिंग प्रैक्टिस शुरू नहीं कर सके हैं. जैसे ही उन्हें मेडिकल टीम की ओर से क्लियरेंस मिलेगी, वो क्रिकेट प्रैक्टिस शुरू करेंगे. मगर टेस्ट सीरीज में 2 हफ्ते से भी कम समय होने के चलते वो इसके लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो सकेंगे. 27 साल के ऋषभ पंत की टीम इंडिया में वापसी कब होगी, इसे लेकर फिलहाल स्थिति साफ नहीं है. वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है, जहां उसे वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है.

क्या पंत इस सीरीज तक फिट हो सकेंगे, इस पर नजरें रहेंगी. भारतीय टेस्ट टीम के उप-कप्तान पंत को इंग्लैंड दौरे पर चौथे टेस्ट मैच के दौरान चोट लग गई थी. क्रिस वोक्स की गेंद पर उनके दाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके चलते वो पांचवें टेस्ट में नहीं खेल सके थे. साथ ही इसके चलते वो एशिया कप में सेलेक्शन की रेस से भी बाहर हो गए थे.

एशिया कप के बाद पाकिस्तान की अगली बड़ी चुनौती

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 में लगातार अपने प्रदर्शन और विवादों के कारण पाकिस्तानी टीम की आलोचना हो रही है. खिताब जीत पाने की उसकी संभावनाएं ज्यादा मजबूत नहीं दिख रही हैं और उसके लिए फाइनल में पहुंचना भी बड़ी चुनौती साबित हो रहा है. मगर पाकिस्तानी टीम की चुनौतियां सिर्फ एशिया कप तक ही सीमित नहीं हैं. इस टूर्नामेंट के बाद तो उसे ज्यादा बड़े इम्तेहान से गुजरना है. एशिया कप के बाद पाकिस्तानी टीम को अपने घर में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन (डब्लूटीसी) साउथ अफ्रीका का सामना करना है, जिसके लिए अफ्रीकी टीम का ऐलान हो गया है. मगर पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि खुद साउथ अफ्रीका के लिए भी मुश्किल बढ़ गई है क्योंकि टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे. डब्लूटीसी चैंपियन साउथ अफ्रीका अगले महीने दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए पाकिस्तान के दौरे पर जाएगी. जून में चैंपियनशिप जीतने के बाद साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार मैदान पर उतरेगी. नई टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में ये उसकी पहली ही सीरीज होगी. इससे पहले उसने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खेली थी लेकिन वो टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं थी और उसमें फाइनल जीतने वाली टीम के ज्यादातर सदस्य नहीं थे. मगर अब इन खिलाड़ियों की वापसी हो रही है और वर्ल्ड चैंपियन अपने खिताब को डिफेंड करने का अभियान शुरू करेगी. क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोमवार 22 सितंबर को पाकिस्तान दौरे के लिए टेस्ट स्क्वॉड का ऐलान किया.

'ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 स्टार आर्यन शर्मा की प्रेरणादायक कहानी'

नई दिल्ली. भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीमों के बीच तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज चल रही है जिसमें आर्यन शर्मा नाम का एक खिलाड़ी भी खेल रहा है. ये खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऑलराउंडर है और इस वक्त आर्यन का नाम सुर्खियों में छाया हुआ है. दरअसल आर्यन शर्मा ने कुछ सालों पहले विराट कोहली से वादा किया था कि वो साल 2025 तक ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री पाकर रहेंगे और आखिरकार उन्होंने अपना वो वादा पूरा कर दिया है. आइए आपको बताते हैं आर्यन शर्मा की कहानी कि कैसे इस खिलाड़ी ने विराट को किया वादा पूरा किया.

आर्यन शर्मा ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम में हैं. 21 सितंबर को उन्होंने भारत के खिलाफ ही डेब्यू किया. डेब्यू मैच में वो कुछ कमाल नहीं दिखा सके. बल्ले से उन्होंने 10 रनों का योगदान दिया और गेंदबाजी में उन्हें कोई कामयाबी नहीं मिली. यही नहीं उनकी टीम पहला यूथ वनडे भी हार गई लेकिन इसके बावजूद आर्यन सुर्खियों में आ गए. इसकी वजह है 7 साल पुरानी तस्वीर. साल 2018 में जब विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया के साथ आए थे तो आर्यन शर्मा उनका मैच देखने पहुंचे थे. आर्यन शर्मा अपने साथ एक बोर्ड लेकर आए थे जिसपर उन्होंने लिखा हुआ था-विराट आप मेरी प्रेरणा हो. साल 2025 में मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए देखिएगा.' 7 साल बाद इस खिलाड़ी ने अपने उस वादे को पूरा कर दिया. अब उनका ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.आर्यन शर्मा सिर्फ 17 साल के हैं. वो एक ऑलराउंडर हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के अलावा ये खिलाड़ी मीडियम पेस भी करता है. इंडिया-अंडर 19 टीम के खिलाफ हुए मैच में ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हार मिली. पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम सिर्फ 225 रन ही बना सकी. जॉन जेम्स ने नाबाद 77 रन बनाकर दिल जीता वहीं आर्यन सिर्फ 10 ही रन बना पाए. जवाब में भारतीय टीम ने ये लक्ष्य सिर्फ 183 गेंदों में हासिल कर लिया. विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडु ने नाबाद 87 रनों कीपारी खेली. वेदांत तिवारी ने भी 61 रन ठोके. वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से 38 रन निकले. अब अगला मुकाबला 23 सितंबर को खेला जाएगा. टीम इंडिया के पास सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने का मौका होगा.

फखर जमान के आउट पर पीसीबी ने आईसीसी में की शिकायत

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 के सुपर-4 स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए हाई-वोल्टेज मुकाबले ने अब एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। मुकाबले में भारत की जीत के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। ये शिकायत पाकिस्तानी ओपनर फखर जमान को आउट दिए जाने के फैसले को लेकर है, जिसे पाकिस्तान 'गलत अंपायरिंग' बता रहा है।

पाकिस्तान ने खड़ा किया नया बवाल

दरअसल, मैच के शुरुआत में फखर जमान ने आक्रामक शुरुआत की थी, जहां उन्होंने 8 गेंदों पर 15 रन ठोके थे. हालांकि, तीसरे ओवर में भारतीय विकेटकीपर संजू सैमसन ने उनका कैच लपक लिया, लेकिन यह फैसला इतना साफ नहीं था कि फील्ड अंपायर तुरंत आउट दे सकें. जिसके चलते मामला टीवी अंपायर रुचिरा पलियागुरुगे के पास पहुंचा, जिन्होंने अलग-अलग एंगल्स देखने के बाद जमान को आउट करार दिया. लेकिन पाकिस्तान इस फैसले से नाखुश दिखाई दिया. दुनिया न्यूज के मुताबिक, पीसीबी को लगता है कि टीवी अंपायर रुचिरा पलियागुरुगे ने फखर जमान को गलत आउट करार दिया था, जिसके चलते उन्होंने आईसीसी में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है.

इस विकेट के बाद सोशल मीडिया पर भी फैंस की राय बंटी हुई थी, कुछ इसे सही फैसला बता रहे हैं, तो कुछ का मानना था कि अंपायर से गलती हुई है. हालांकि, तीसरे अंपायर का फैसला ही आखिरी माना जाता है और ऐसा काफी कम ही देखने को मिलता है कि अंपायर के फैसले पर कोई टीम आईसीसी से शिकायत करती है. लेकिन पाकिस्तान की टीम इस हार को हजम नहीं कर पा रही है. ग्रुप स्टेज में भी भारत से हारने के बाद उसने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट की शिकायत की थी. हालांकि, आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया था.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या बोले पाकिस्तानी कप्तान?

पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने भी मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंपायर के इस फैसले पर सवाल उठाए थे. उन्होंने कहा था, 'अंपायर गलतियां कर सकते हैं. लेकिन मुझे ऐसा लगा कि गेंद कीपर के आगे उछलकर गई थी. मैं गलत भी हो सकता हूं. जिस तरह फखर बल्लेबाजी कर रहे थे, अगर उन्होंने पावरप्ले में बल्लेबाजी की होती, तो हम शायद 190 रन बना लेते. मैं गलत हो सकता हूं, लेकिन अंपायर भी गलत हो सकते हैं. लेकिन अंपायर का फैसला आखरी होता है.

तिलक वर्मा ने थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु के पांव छूकर जताया सम्मान

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल देखने को मिला। टीम के खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई और जीत का जश्न मनाया गया। इस दौरान इंपैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बीसीसीआई द्वारा जारी वीडियो में एक खास मोमेंट नजर आया, जब स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु के पांव छूकर सम्मान जताया। थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु टीम के लिए एक अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर बल्लेबाजों की तैयारी में। रघु के लगातार थ्रो-डाउन से बल्लेबाजों को बेहतर अभ्यास मिलता है, जिससे उनकी बल्लेबाजी में निखार आता है। तिलक वर्मा ने इस समर्थन और मेहनत के लिए रघु का आभार व्यक्त करते हुए उनका सम्मान किया। यह उनका तरीका था टीम सपोर्ट स्टाफ की मेहनत और योगदान को सम्मानित करने का।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने इंपैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड देने का जिम्मा रघु को दिया. रघु ने ये अवॉर्ड देने से पहले एक मोटिवेशनल स्पीच भी दी. रघु ने कहा, 'सबको राम राम. टैलेंट भगवान ने दिया है हमेशा विनम्र बने रहें. फेम आपको लोगों ने दिया है हमेशा शुक्रगुजार रहें. ध्यान आपको खुद से मिलता है, हमेशा उसका ध्यान रखें. प्रेरणा हमेशा नहीं रहता लेकिन अनुशासन हमेशा के लिए है. कोई भी खिलाड़ी परफेक्ट नहीं है, हमेशा सीखते रहना होगा. हमेशा आगे बढ़ते रहें.' ये कहने के बाद रघु ने तिलक वर्मा को बुलाया और अवॉर्ड लेने से पहले इस खिलाड़ी ने उनके पांव छुए. बता दें रघु टीम इंडिया के थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट हैं और कई मौकों पर वो ड्यू के दौरान खिलाड़ियों के जूते तक साफ करते दिखाई देते हैं.

अभिषेक-गिल की तूफानी पारियों से भारत की आसान जीत

नई दिल्ली. भारत ने पाकिस्तान को लीग राउंड में हराने के बाद अब सुपर 4 राउंड में भी आराम से मात दी. पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 171 रन बनाए जवाब में भारत ने अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल की दमदार पारियों के दम पर ये लक्ष्य आसानी से 18.5 ओवर में हासिल कर लिया. भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा 39 गेंदों में 74 रन बनाए. अभिषेक ने 6 चौके और 5 छक्के लगाए. शुभमन गिल ने भी 28 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली. दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 105 रन जोड़े और इसके साथ ही पाकिस्तान को भारत ने फिर पीट दिया.

अभिषेक शर्मा-गिल ने जीता दिल

पाकिस्तान के स्कोर का पीछा करने उतरे अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने पावरप्ले में पावरफुल खेल दिखाया. दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 69 रन जोड़े. गिल और शर्मा ने सिर्फ 4.4 ओवर में 50 रनों की साझेदारी कर अपने इरादे जाहिर कर दिए. अभिषेक ने शुरुआत तो धीमी की लेकिन 24 गेंदों में ही वो अर्धशतक तक पहुंच गए. गिल ने क्लास दिखाई और शर्मा ने पावरहिटिंग और इसके साथही दोनों ने 52 गेंदों में टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचा दिया. भारत का पहला विकेट 10वें ओवर में शुभमन गिल के तौर पर गिरा, वो फहीम अशरफ की बेहतरीन अंदर आती गेंद पर बोल्ड हुए. गिल 47 रन बना सके. इसके बाद टीम इंडिया ने कप्तान सूर्यकुमार यादव का विकेट गंवाया, वो खाता तक नहीं खोल सके. इसके बाद अभिषेक शर्मा से उम्मीद थी कि वो शतक बनाएंगे लेकिन 74 रन पर उन्होंने अबरार अहमद को विकेट थमा दिया. खैर इसके बाद तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने अच्छी साझेदारी कर आसानी से टीम इंडिया को जीत तक पहुंचा दिया.

भारत ने गेंदबाजी में किया अच्छा कमबैक

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए लेकिन एक समय ऐसा था जब ये स्कोर 200 तक जा सकता था. पाकिस्तान ने पहले 10 ओवर में 91 रन बना लिए थे और उनका एक ही विकेट गिरा था लेकिन इसके बाद अगले 7 ओवरों तक टीम इंडिया ने पाकिस्तानी बल्लेबाजों पर नकेल कसी. साहिबजादा फरहान ने 58 रन बनाए लेकिन मिडिल ओवर्स में मोहम्मद नवाज ने 19 गेंदों में 21 ही रन बनाए. हुसैन तलत ने 11 गेंद में 10 रन बनाए, इससे पाकिस्तान का नेट रनरेट ड्रॉप हुआ. आखिरी दो ओवर में फहीम अशरफ ने 8 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाकर किसी तरह पाकिस्तानी स्कोर को 171 तक पहुंचाया. भारत के लिए शिवम दुबे ने 2 विकेट लिए. कुलदीप यादव और पंड्या ने एक-एक विकेट लिया. लेकिन बुमराह ने 4 ओवर में 45 रन लुटा दिये. खैर टीम इंडिया ने अंत में आसानी से मैच जीत लिया जो सबसे अहम बात है.

मोरक्को में भारत की पहली विदेशी डिफेंस फैक्ट्री

राजनाथ करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मोरक्को की यात्रा पर हैं और इस दौरान वे मोरक्को अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. उनका ये दौरा इसलिए भी अहम है, क्योंकि वह मोरक्को के कैसाब्लांका में भारत की पहली विदेशी डिफेंस फैक्ट्री का उद्घाटन करेंगे. राजनाथ सिंह की ये यात्रा नई दिल्ली और रबात के बीच बढ़ती रक्षा साझेदारी को दिखा रही है. मोरक्को, अफ्रीका भर में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने की भारत कोशिश के लिए एक रणनीतिक एंट्री साबित हो रहा है. भारत इस विदेशी डिफेंस फैक्ट्री के जरिए अफ्रीकी देशों में अपना रक्षा निर्यात तेजी से कर पाएगा.

मोरक्को में खोली गई नई डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भारतीय कंपनी टाटा और मोरक्को की सेना के बीच साझेदारी के तहत बनी है. इस यूनिट का मुख्य काम एक खास तरह के सैन्य वाहन बनाना है जिसे 8×8 व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म कहा जाता है. यह वाहन सभी प्रकार की जमीन और यहां तक कि पानी में भी अच्छी तरह से काम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं. सबसे पहले इस यूनिट से मोरक्को की सेना के लिए वाहन बनाएगी. बाद में, यह अफ्रीका के अन्य देशों को बेचने के लिए और ज्यादा वाहन बनाने की योजना बना रहा है.

यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना है, क्योंकि यह अफ्रीका का पहला कारखाना है जो भारत के लिए रक्षा उत्पाद बनाता है. यह भारत के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य का भी समर्थन करता है. यह यूनिट हर साल लगभग 100 वाहन बनाएगा और लगभग 350 लोगों को रोजगार देगा. साथ ही डब्ल्यूएच के कुछ पार्ट भारत में भी बनाए जाएंगे.

क्यों खास है राजनाथ का ये दौरा ?

ऑफिशियल प्रेस ब्रीफ के मुताबिक यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की मोरक्को की पहली आधिकारिक यात्रा है. यह यात्रा इसलिए खास है क्योंकि यह भारत-अफ्रीका रक्षा सहयोग में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रही है. बता दें कि भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन का अगले साल आयोजन होना है. इस यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह मोरक्कों के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदियी और उद्योग एवं व्यापार मंत्री रियाद मेज़ूर से मुलाकात करेंगे. इन बैठकों में कई एमओयु साइन होने की संभावना है.

एफिल टावर पर फिलिस्तीन का झंडा

इजराइल को लेकर यूरोप में हलचल

लंदन.

फिलिस्तीन को मान्यता देने की घोषणा के तुरंत बाद ब्रिटेन ने बदला हुआ मैप जारी किया है. इस मैप में फिलिस्तीन को अलग देश दिखाया गया है, जो इजराइल के बगल में स्थित है. इसी तरह फ्रांस की राजधानी पेरिस के मशहूर एफिल टावर पर फिलिस्तीन का झंडा लगाया गया है. फ्रांस में वायरल हो रहे वीडियो में एक तरफ फिलिस्तीन तो दूसरी तरफ इजराइल का झंडा दिखाया गया है.

यह पहली बार है, जब यूनाइटेड नेशन की मीटिंग से पहले इजराइल और फिलिस्तीन का मुद्दा यूरोप में छाया हुआ है. पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने

फिलिस्तीन को अलग देश की मान्यता दी है. इन चार देशों के समर्थन ने फिलिस्तीन को लेकर इजराइल को बड़ा झटका दे दिया है. अब यूरोप के अधिकांश देश फिलिस्तीन के समर्थन में हैं. इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ के 5 स्थाई में से 4 स्थाई देशों ने फिलिस्तीन को अलग देश के रूप में मान्यता दे दी है. सिर्फ अमेरिका फिलिस्तीन के विरोध में है. इन 4 स्थाई सदस्यों के अलावा 150 से ज्यादा देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता देने की घोषणा की है.

सऊदी अरब और फ्रांस की कोशिश इसी सत्र में फिलिस्तीन से संबंधित बिल को संयुक्त राष्ट्र संघ में लाने की है. इजराइल और फिलिस्तीन के बीच 1948 से जंग जारी है. दोनों के बीच जमीन और यरूशलेम स्थित पवित्र अल अक्सा मस्जिद को लेकर विवाद है. इजराइल अमेरिका की मदद से लगातार फिलिस्तीन में अपना आधार बढ़ा रहा है. इसे रोकने के लिए सऊदी अरब ने 2 स्टेट थ्योरी को आगे किया है. सऊदी अरब का कहना है कि दोनों की सीमा तय हो जाने और फिलिस्तीन के देश बन जाने से यहां गतिरोध थम जाएगा. फिलहाल फिलिस्तीन में कोई सरकार नहीं है. हमास यहां के प्रशासन को कंट्रोल करता रहा है. हमास को ईरान का प्रॉक्सी संगठन माना जाता है.

स्पेस वॉर के लिए तैयार देश

> आएगा 'बॉडीगार्ड सैटेलाइट' मिशन

नई दिल्ली.

भारत लगातार अपनी सैन्य क्षमताओं में इजाफा कर रहा है. इसी कड़ी में देश अब अंतरिक्ष को लेकर अपनी सुरक्षा रणनीति को और मजबूत करने जा रहा है. सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार ने खास योजना बनाई है जिसके तहत बॉडीगार्ड सैटेलाइट्स तैयार किए जाएंगे. इनका काम होगा भारतीय उपग्रहों को दुश्मन देशों की संभावित चालों और हमलों से बचाना. जैसे S400 डिफेंस सिस्टम जमीन पर दागी जाने वाली मिसाइलों से रक्षा करता है, वैसे ही ये सैटेलाइट अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों को दुश्मन देशों के हर खतरे से बचाएगी.

सूत्रों के मुताबिक सरकार की योजना है कि करीब 27,000 करोड़ रुपए (3 अरब डॉलर) खर्च करके 50 निगरानी उपग्रह लॉन्च किए जाएं. इनमें से पहला उपग्रह अगले साल यानी 2026 तक कक्षा में भेजा जा सकता है. जो भारत की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी क्षमताओं को और मजबूत करेगा. फिलहाल भारत के पास 100 से ज्यादा उपग्रह हैं, जबकि पाकिस्तान के पास केवल 8, वहीं चीन के पास 930 से ज्यादा उपग्रह सक्रिय हैं. चीन का तेजी से बढ़ता अंतरिक्ष कार्यक्रम भारत और अमेरिका दोनों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है.

भारत और चीन के बीच सीमा को लेकर तनाव पहले से ही है. 2020 की गलवान झड़प इसका उदाहरण है. अब चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अंतरिक्ष मोर्चे पर भी बड़ी चुनौती है. मई 2025 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ था, उस समय चीन ने पाकिस्तान को सैटेलाइट कवरेज में मदद दी थी. यही कारण है कि भारत अपनी अंतरिक्ष सुरक्षा क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने की कोशिश कर रहा है.

मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसरो ने दिखाया कि अंतरिक्ष सुरक्षा कितनी अहम है. इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने हाल ही में बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के के समय 400 से ज्यादा वैज्ञानिक दिन-रात काम करते रहे और भारतीय सेना को उपग्रहों के जरिए बड़ी मदद मिली. भारत का यह कदम साफ संकेत देता है कि आने वाले समय में अंतरिक्ष भी रक्षा का नया युद्धक्षेत्र बनने वाला है. पाकिस्तान और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष ताकत को देखते हुए भारत अब अपने उपग्रहों को और सुरक्षित करने की तैयारी में है.

विकासवाद इस्लाम के खिलाफ, थ्योरी पर बैन, तालिबान का ऐलान

काबुल.

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का मानना है कि चार्ल्स डार्विन का विकासवाद का सिद्धांत इस्लाम के खिलाफ है, इसलिए विश्वविद्यालय के सिलेबस से इस सिद्धांत को हटा दिया गया है. तालिबान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री नेदा मोहम्मद नदीम ने कहा देश की उच्च शिक्षा प्रणाली अब इस्लामिक है. नदीम हेरात शहर में उच्च शिक्षा पर आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया. नदीम ने कहा कि पिछली सरकारों के शासनकाल में विश्वविद्यालयों ने नैतिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया. ऐसी चीजें पढ़ाई जो इस्लामी मूल्यों और मान्यताओं के विपरीत थी. तालिबान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि हेरात शहर में ही कॉन्फ्रेंस में भारत,

उज्बेकिस्तान, ईरान, तुर्की, बांग्लादेश, ब्रिटेन, श्रीलंका और पाकिस्तान के 29 स्कॉलर्स और रिसर्चर्स शामिल हुए. इसके साथ ही सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल ने कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया. मध्य पूर्व के कुछ देशों में भी डार्विन का सिद्धांत या तो पूरी तरह प्रतिबंधित है या पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है. इनमें सऊदी अरब, ओमान, अल्जीरिया, मोरक्को, लेबनान और तुर्किये भी शामिल हैं. पाकिस्तान, इजराइल और सूडान ने स्कूलों में विकासवाद की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाया है. कुछ शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं का कहना है कि तालिबान शिक्षा प्रणाली से आधुनिक ज्ञान और वैज्ञानिक सामग्री को मिटाकर उसकी जगह अपनी विचारधारा से जुड़े विषयों को लाना चाहता है. उन्होंने चेतावनी दी कि तालिबान का यह तरीका छात्रों को कट्टरपंथी बनाने के इरादे से किया जा रहा है. पिछले महीने मंत्रालय ने बताया कि उसने विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले विषयों की समीक्षा की है. यह समीक्षा शरिया सिद्धांतों के मुताबिक की गई. मंत्रालय के दस्तावेज के अनुसार, 18 विषयों को पूरी तरह हटा दिया गया है, क्योंकि वे शरिया के खिलाफ थे. इसके अलावा 201 विषयों को अब संशोधन के बाद पढ़ाया जाएगा.

पाक विमानों पर 'नो एंट्री' बरकरार

नई दिल्ली.

भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान के रजिस्टर्ड विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर रोक बढ़ा दी है. यह रोक अब 23 अक्टूबर तक जारी रहेगी. जारी नोटम के मुताबिक, यह प्रतिबंध न सिर्फ पाकिस्तानी एयरलाइंस के विमान, बल्कि पाकिस्तानी ऑपरेटरों या लीज पर लिए गए विमानों और यहां तक कि सैन्य उड़ानों पर भी लागू होगा. भारत ने साफ कहा है कि पाकिस्तानी रजिस्टर्ड विमान भारतीय एयरस्पेस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे. यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है और यह रोक अगले आदेश तक जारी रह सकती है. यानी फिलहाल पाकिस्तान को कोई राहत नहीं मिलेगी और वो

भारतीय एयरस्पेस का उपयोग नहीं कर पाएगा. हालांकि ये कोई पहला मौका नहीं है जब भारत ने ये कदम उठाया है. इससे पहले भी भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए एयरस्पेस बंद किया हुआ था और अब इसे एक महीने और बढ़ाकर अक्टूबर के आखिर तक लागू कर दिया गया है. नोटिस टू एयरमेन के अनुसार, यह प्रतिबंध पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों, पाकिस्तान एयरलाइंस/ऑपरेटरों के स्वामित्व या लीज पर लिए गए विमानों और सैन्य उड़ानों पर लागू होगा.

इससे पहले भारत ने पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों, जिनमें पाकिस्तानी एयरलाइनों और ऑपरेटरों द्वारा संचालित, स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमान, और सैन्य उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि 24 सितंबर तक बढ़ाई थी. वहीं अब इसे एक महीने के लिए और बढ़ाने का फैसला किया है. वहीं पाकिस्तान ने बीते शुक्रवार को भारतीय विमानों और एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को एक महीने के लिए, यानी 24 अक्टूबर की सुबह तक, बंद कर दिया. यह छठी बार है जब पड़ोसी देश अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध बढ़ाया है. पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने शुक्रवार को नोटिस टू एयरमैन जारी किया था.

सीरिया में बिना चुनाव बनेगी नई सरकार, तय होंगे मंत्री

सीरिया.

सीरिया में असद सरकार के खात्मे को एक साल होने वाले है. एक साल बाद भी सीरिया में अल-शरा की अंतरिम सरकार की ओर से आम चुनाव नहीं कराए गए हैं. चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि 5 अक्टूबर को एक ट्रांजिशनल कैबिनेट के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी. इसमें खास बात ये है कि ये चुनाव बिना राजनीतिक दलों के हो रहे हैं और न ही ये बताया गया कि जनता इसमें सीधे हिस्सा कैसे लेगी. जिसकी वजह से इनपर लोकतांत्रिक होने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. सीरिया की पीपुल्स असेंबली को एचटीएस के कब्जे के बाद भंग कर दिया गया था. अब बिना आम चुनावों के ऐलान के ही ट्रांजिशनल कैबिनेट का गठन किया जा रहा है. ये कैबिनेट अगले पांच साल तक देश को संभालेगी. जबकि बांग्लादेश में तख्तापलट के 2 साल से भी कम समय में आम चुनाव कराए जा रहे हैं. ऐसे में अल-शरा की मंशा के पीछे भी सवाल उठ रहे हैं. इस कैबिनेट के लिए कोई आम चुनाव नहीं होगा. इसमें 210 सांसद होंगे, जिनमें 140 स्थानीय समितियों द्वारा नामित होंगे, जिनकी देखरेख चुनाव आयोग करेगा और 70 सीधे राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की ओर से चुने जाएंगे. सीरिया के चुनाव आयोग ने अपने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि यह प्रक्रिया 5 अक्टूबर को सीरिया के प्रांतों के चुनावी जिलों में आयोजित की जाएगी. हालांकि आयोग ने ये साफ नहीं किया गया कि क्या सभी प्रांत इसमें हिस्सा लेंगे. अगस्त के आखिर में शरा सरकार ने बताया था कि सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति के कारण डूज़-बहुल स्वेदा प्रांत और कुर्द-नियंत्रित रक्का और हसाकेह क्षेत्रों में चुनाव में देरी होगी. बता दें जुलाई में स्वेदा में झड़पें घातक हुई थीं, जिसमें इजराइल कूद पड़ा था और सीरिया में हवाई हमले किए थे. मार्च में अपनाए गए कांसिड्यूशनल डिक्लेरेशन के मुताबिक ट्रांसीजनल संसद का कार्यकाल 30 महीने का होगा. यह स्थायी संविधान के पारित होने और नए चुनाव होने तक अपनी भूमिका निभाएगी.

बानू मुश्ताक ने किया दशहरा उत्सव का उद्घाटन

> विरोध पर सीएम सिद्धारमैया ने किया बचाव

बेंगलुरु.

कर्नाटक के प्रसिद्ध मैसूर चामुंडी मंदिर में दशहरा उत्सव की शुरुआत हो चुकी है. इसका उद्घाटन बुकर पुरस्कार विजेता मुस्लिम बानू मुश्ताक ने किया. हालांकि इसको लेकर काफी विरोध भी देखने को मिला था. पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जहां कोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए कहा था कि ये सरकारी आयोजन है, निजी धार्मिक कार्यक्रम नहीं है. इसलिए धर्म के आधार पर फर्क करना बंद कर दीजिए. आज जब उत्सव की शुरुआत हुई तब भी इसका विरोध देखने को मिला. बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक ने आज चामुंडेश्वरी मंदिर में 11 दिवसीय मैसूर दशहरा महोत्सव का उद्घाटन किया. उन्होंने राज्य उत्सव में अपनी भागीदारी को लेकर हो रहे विरोध का जवाब देते हुए एकता, समावेशिता और सांस्कृतिक सद्भाव पर जोर दिया.

उत्सव की शुरुआत के दौरान बानू मुश्ताक ने मंदिर में फूल अर्पित किये. इसके साथ ही दीप प्रज्वलित किया. उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है. यह इस भूमि की संस्कृति और सद्भाव का उत्सव है.

मैसूर दशहरा उद्घाटन समारोह के मंच पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जब बोलना शुरू किया. तब इस दौरान कुछ लोग उठकर जाने लगे. उन्हें देख सीएम को अचानक गुस्सा आ गया और वे उन्हें डांटने लगे. उन्होंने गुस्से में कहा,अरे, क्या तुम थोड़ी देर चुपचाप नहीं बैठ सकते? अरे, वो कौन है, एक बार बता दूं तो समझ जाओगे? तुम्हें घर पर ही रहना चाहिए था. अगर तुम डेढ़ घंटे तक सीधे नहीं बैठ सकते, तो यहां क्यों आए?" फिर उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि किसी को भी बाहर न जाने दिया जाए और अपना भाषण जारी रखा.

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मैसूर दशहरा उद्घाटन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कहा, बानू मुश्ताक मुस्लिम हो सकती हैं, लेकिन सबसे बढ़कर वह एक इंसान हैं, हम सभी एक ही मानवता का हिस्सा हैं. यदि आप एक-दूसरे से प्यार करने में विफल रहते हैं, तो वह मानवता नहीं है.

गंगा पथ से जुड़ेंगे आरा, गाजीपुर और लखनऊ

> सीएम नीतीश का ऐलान

पटना.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना के दीघा-शेरपुर-बिहटा जेपी गंगा पथ परियोजना के विस्तारीकरण कार्य का शिलान्यास किया. इसकी लंबाई-35.65 किमी है.

इसका कुल बजट 6495 करोड़ 79 लाख रुपये है. जेपी गंगापथ परियोजना के विस्तारीकरण कार्य पूर्ण होने से पटना-आरा-बक्सर राष्ट्रीय उच्चपथ (एनएच-922) और लखनऊ-गाजीपुर के मध्य पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के अलावा आरा-मोहनिया राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-319) से संपर्क बढ़ेगा. शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जेपी गंगापथ का कोईलवर तक विस्तारीकरण कार्य आज से शुरू हो गया है. मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके

से समय पर पूरा करने का भी निर्देश दिया. इसके निर्माण कार्य पूर्ण होने से शहरवासियों को आवागमन में और सहूलियत होगी.

मुख्यमंत्री ने बताया कि दीघा से ही विभिन्न जिलों के 5 अन्य पथों की कुल लम्बाई 225.475 किलोमीटर है. इनकी लागत 2 हजार 900 करोड़ रुपये है. इसका भी शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया. इसके तहत 650 करोड़ 51 लाख की लागत से बांका, मुंगेर एवं भागलपुर जिला अंतर्गत धोरैया-इंगलिस मोड़ असरगंज पथ (लंबाई 58.47 किमी) का निर्माण कार्य, 814 करोड़ 22 लाख की लागत से मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत हथौड़ी-औराई पथ में एक उच्च स्तरीय पुल (लंबाई- 21.3 कि0मी0) का पहुंच पथ सहित निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है.

साथ ही 373 करोड़ 56 लाख की लागत से भोजपुर जिला अंतर्गत आरा-एकौना-खैरा-सहार पथ (लंबाई 32.26 कि0मी0) के निर्माण कार्य, 701 करोड़ 26 लाख की लागत से छपरा एवं सीवान जिला अंतर्गत छपरा-मांझी-दरौली-गुठनी पथ (लंबाई-72.18 कि0मी0) के निर्माण कार्य तथा 361 करोड़ 32 लाख की लागत से नवादा, नालंदा एवं गयाजी जिला अंतर्गत बनगंगा-जेठियन-गहलौत बिन्दस पथ (लंबाई 41.25 कि०मी०) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया.

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुडुकलकट्टी, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम., वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

फर्जी आईएएस बनाकर 70 करोड़ का घोटाला

नई दिल्ली.

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) ने एक बड़े जालसाजी के नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. जालसाजों ने भारत सरकार के नाम से फर्जी वेबसाइट और ऑफिस बनाकर देशभर के लोगों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. अब तक की जांच में करीब 60 से 70 करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया है.आरोपियों ने आरजीएसएम नाम से वेबसाइट बनाई और खुद को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से टेंडर मंगवाए. पीड़ितों से सामान भी मंगवाया गया और डिलीवरी भी करवाई गई, लेकिन बाद में पैसे देने के बजाय अलग-अलग बहानों से और रकम मांगी गई. यहां तक कि स्टाम्प ड्यूटी और कमिशन के नाम पर भी पैसा वसूला गया. बाराखंबा रोड पर एक फर्जी मीटिंग भी कराई गई, जिसमें आरोपी आईएएस अधिकारी बनाकर मौजूद रहे. इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड रत्नाकर है. इसके खिलाफ पहले से 12 मामले दर्ज हैं, जिनमें चीटिंग और रेप के केस भी शामिल हैं. इसी ने फर्जी वेबसाइट बनाई थी और पैसों से गाजियाबाद और उत्तम नगर में फ्लैट व गाड़ियां खरीदी थीं. फर्जी आरजीएसएम की ट्रस्ट मेंबर अनिता को बनाया गया था. बैंक अकाउंट भी इसी महिला के नाम पर खुलवाए गए थे. सौरभ को स्टेट हेड बताया गया था और टेंडर इसके नाम से जारी होते थे. इसके खिलाफ भी पहले से 2 आपराधिक मामले दर्ज हैं. अब तक की जांच में करीब 60 से 70 करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया है. जालसाजी के मामले में अब तक 6 केस दर्ज किए जा चुके हैं और 15 पीड़ित पुलिस के पास पहुंच चुके हैं. आरोपियों के पास से पुलिस ने 45 हजार स्कूल यूनिफार्म बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है.

हाईवे पर ट्रकों ने पकड़ी रफ्तार

> घाटी से भेजे गए 1.37 लाख मीट्रिक टन फल

श्रीनगर.

जम्मू कश्मीर में श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के 21 दिनों तक बंद रहने और किसानों व व्यापारियों को हुए भारी नुकसान के बावजूद, पिछले दस दिनों में राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल रोड और पार्सल ट्रेन सेवा के माध्यम से घाटी से 1.37 लाख मीट्रिक टन से अधिक ताजा फल भेजे गए हैं. कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने सोमवार (22 सितंबर) को बताया कि ताजा फलों और आवश्यक आपूर्ति के परिवहन को सुचारू बनाने के लिए मुख्य सचिव द्वारा जिला प्रशासन, बीआरओ, यातायात और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों के साथ समन्वय में हाल ही में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गई है. उन्होंने कहा,हर दिन घाटी में लगभग

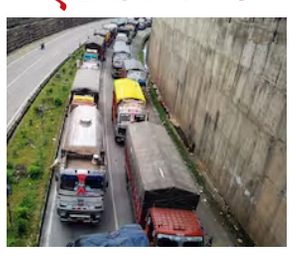

1,500-2,000 फलों के ट्रक जमा होते हैं. इन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड के रास्ते जम्मू की ओर बारी-बारी से भेजा जा रहा है." उन्होंने आगे कहा कि यातायात पुलिस जमीनी स्तर पर व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रही है. अंशुल गर्ग ने कहा कि राजमार्ग पर चल रहे बहाली कार्यों के साथ, वाहनों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा, "पहले जहां रोजाना लगभग 1,500-2,000 ट्रक चलते थे, अब 3,500-4,000 ट्रक चल रहे हैं. आज ही काजीगुंड से लगभग 2,000 ट्रक जम्मू की ओर बढ़े और शाम तक वहां पहुंचने की उम्मीद है.

ट्रैफिक पुलिस के ईजीपी सुलेमान चौधरी ने बताया कि मुगल रोड पर, कल 1,800-1,900 से ज्यादा ट्रक जम्मू की ओर बढ़े ताकि फलों की निकासी प्राथमिकता के आधार पर हो सके और किसानों की चिंता कम हो सके. उन्होंने यह भी बताया कि अनंतनाग और बारामूला से आदर्श नगर, नई दिल्ली के लिए नई शुरू की गई पार्सल ट्रेन सेवा शुरू हो गई है. उन्होंने कहा, "इस सेवा के जरिए रोजाना लगभग 800-1000 टन ताजा फल भेजे जा रहे हैं. उत्तर और दक्षिण कश्मीर के किसान अब अपनी उपज को आसानी से पहुंचाने के लिए इस सुविधा का सीधा लाभ उठा सकते हैं." उन्होंने आगे बताया कि यह प्रक्रिया शुरू हो गई है

रगासा बना महातूफान, हांगकांग और चीन में अलर्ट

मनीला.

फिलीपींस में इस साल के सबसे शक्तिशाली तूफान रागासा ने दस्तक दी है. यहां लगभग 270 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं. भयावह तूफान की वजह से 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है. रगासा इस साल का सबसे बड़ा और तेज तूफान है. इसका असर हांगकांग, ताइवान और चीन में भी हुआ है. ताइवान ने अपनी सभी फ्लाइट्स सस्पेंड कर दी हैं. हॉन्गकॉन्ग एयरपोर्ट ने अगले 36 घंटे तक सभी उड़ानों पर रोक लगा दी है. रगासा को सुपर तूफान भी कहा जा रहा है. फिलीपींस के मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान की वजह से बड़ी लहरें आ सकती हैं, यहां स्कूल और सरकारी ऑफिस बंद कर दिए गए हैं. रागासा से भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन और घरों को नुकसान हो

सकता है.

यह तूफान उस ऐसे समय आया है, जब फिलीपींस पहले से ही भारी बारिश से परेशान है. चीनी शहर शेनझेन से 4 लाख लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह भेजा जा रहा है. झुहाई और जियांगमेन शहरों में स्कूल बंद रहेंगे. मंगलवार को काम, फैक्ट्री, बस और दुकानें भी बंद रहेंगी. जियांगमेन के चुआंशान द्वीपों के लिए सभी फेरी सेवाएं भी मंगलवार से बंद कर दी जाएंगी. यह फैसला बाढ़ और तूफान के खतरे को देखते हुए लिया गया है.

रगासा ने फिलीपींस के बाटानेस द्वीप पर लैंडफॉल किया है. यह द्वीप ताइवान से लगभग 740 किमी दूर है. ताइवान के पूर्वी इलाके ह्वालियन काउंटी से करीब 300 लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया है. रागासा तूफान के कारण ताइवान के पूर्वी किनारे पर भारी बारिश होगी. ताइवान में कुछ फेरी सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं.

❍ फिलीपींस वो पहला बड़ा इलाका है, जो प्रशांत महासागर के तूफानों का सामना करता है. यहां हर साल करीब 20 तूफान आते हैं. इस वजह से लाखों लोग आपदा प्रभावित इलाकों में रहने को मजबूर होते हैं. रगासा इस साल हॉन्गकॉन्ग में दस्तक देने वाला 11वां ट्रॉपिकल साइक्लोन है. इसने 1946 के बाद का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. वैज्ञानिकों का कहना है कि क्लाइमेट चेंज की वजह से दुनिया गर्म हो रही है, इसलिए तूफान पहले से ज्यादा ताकतवर हो रहे हैं.